संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 245
पृष्ठ 8
मंगलवार
27 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गुब्बारे जैसा पेट हो जाएगा सपाट...
विचार- नशे के अपराध का अंधेरा,बर्बाद होती..
खेल- सनराइजर्स हैदराबाद ने छठी जीत...

जो सिंदूर मिटाएगा, उसका मिटना तय है : पीएम मोदी

आतंक फैलाने वालों ने सपनों में भी नहीं सोचा होगा मोदी से मुकाबला कितना मुश्किल : मोदी

दाहोद, एजेंसी। दाहोद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब कोई हमारी बहनो के सिन्दूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपनों में भी नहीं सोचा होगा मोदी से मुकाबला कितना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने जो किया, उसके बाद क्या भारत चुप बैठ सकता था? क्या मोदी चुप बैठ सकते थे? जब कोई हमारी बहनों और माताओं के माथे से सिंदूर मिटाता है, तो उसका मिटना भी पक्का हो जाता है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह भारतीयों के मूल्यों और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंकवाद फैलाने वालों ने शायद कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से दुश्मनी कितनी कठिन हो सकती है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। इसलिए मोदी ने वही किया, जिसके लिए देशवासियों ने मुझे प्रधान सेवक की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि मोदी ने अपनी तीनों सेनाओं को खुली छूट दी और हमारे शूरवीरों ने वो कर दिखाया, जो दुनिया ने पिछले कई दशकों से नहीं देखा था। हमने सीमापार चल रहे 9 आतंकी ठिकानों को ढूंढ निकाला और 22 तारीख को उन्होंने जो खेल खेला था, 6 तारीख की रात को 22 मिनट में हमने उन्हें मिट्टी में मिला दिया। उन्होंने कहा कि भारत की इस कार्रवाई से बौखलाकर जब पाकिस्तानी सेना ने दुस्साहस दिखाया, तो हमारी सेनाओं ने पाकिस्तानी फौज को भी धूल चटा दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभाजन के बाद, नवगठित देश का एक ही लक्ष्य था – भारत से नफरत करना और हमारी प्रगति को रोकना की कोशिश करना। लेकिन हमारा एक ही लक्ष्य है – आगे बढ़ते रहना, गरीबी को खत्म करना और विकसित भारत का निर्माण करना है।

बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास,सीएम बोले-

स्कूलों में ठीक करें शिक्षक-छात्र अनुपात

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों एवं अतिरिक्त डॉरमेट्री का लोकार्पण किया गया। 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास किया। साथ ही ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र-छात्रा 12 सौ रुपये बच्चों के माता-पिता या अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 2017 में भाजपा सरकार बनी। यूपी बीमारू राज्य के धब्बे से निकालकर विकासशील राज्य बना है। पानी, बिजली, सड़क, अस्पताल, कानून व्यवस्था की देश भर में चर्चा है। अब टूटी सड़क नहीं मिलती है। लोग बाहर जाते हैं तो उनको सम्मान मिलता है। पहले लोग

विकासशील राज्य बना यूपी-ब्रजेश पाठक

अपने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजना नहीं चाहते थे। मांटेसरी में ही भेजना बेहतर समझते थे। पहले स्कूलों में 8-10 बच्चे ही होते थे। शिक्षक नियमित नहीं जाते थे। सरकारी स्कूलों में पहले 1.12 करोड़ बच्चे थे, अब 1.90 करोड़ बच्चे हैं। पहले ड्रेस खाकी मिलती थी। सिंडिकेट मिडडे मील खाता था। आज बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल रहा है। केजीबीवी में आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा दे रहे हैं। छात्राएं हर क्षेत्र में बेहतर कर रही हैं। सीएम मॉडल कंपोजिट स्कूल में 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। विभाग ने अद्भुत प्रगति की है। देश, प्रदेश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। हम आर्थिक क्षेत्र में चौथे स्थान पर आ गए हैं। पहले 11वें स्थान पर थे। जल्द ही विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंचेंगे। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों को मारा। उनके

अड्डे को नष्ट किया। क्या पहले यह संभव था। मुंबई की घटना याद है। पीएम मोदी के नेतृत्व में घर में घुसकर मारने वाले हैं। भारत माता का झंडा लहराएंगे। रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यूपी भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। गेहूं, चीनी उत्पादन में नंबर एक है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नंबर बनेंगे। पहले बिजली कभी-कभी आती थी। आज पर्याप्त बिजली मिल रही है। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि आज जो डीबीटी हस्तांतरण, अन्य योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्यक्रम है। यह सिर्फ कार्यक्रम नहीं बल्कि शिक्षा की क्रांति का पर्व है। बीते आठ साल में जो काम हुए हैं वह भविष्य निर्माण की एक योजना है। सीएम के नेतृत्व में शिक्षा के समृद्ध की ओर कदम बढ़ाए हैं। उत्तर प्रदेश में शिक्षा अब केवल सरकार की योजना मात्र नहीं, बल्कि जनआस्था बन चुकी है। आठ साल में बेसिक में 1.32 लाख स्कूलों की तस्वीर 11 हजार करोड़ का निवेश, ऑपरेशन कायाकल्प में किया है। 19 पैरामीटर पर काम किए गए हैं। पहले 36 फीसदी थी, आज 96 फीसदी प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि केजीबीवी के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। पहले कक्षा छह से आठ तक की व्यवस्था थी। अब 746 केजीबीवी को 12वीं तक उच्चीकृत कर रहे हैं। 683 उच्चीकृत हो चुके हैं। सभी 746 में स्मार्ट क्लास और डारमेट्री बनी है। आईआईटी गांधी नगर के सहयोग से कार्यक्रम चल रहा है। पाठ्यक्रम में बुनियादी बदलाव किया है। एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लिया गया है। इसे संशोधित करके लागू किया है। पाठ्य पुस्तक पहुंचने की समय से व्यवस्था की है। हर साल दे रहे हैं। नवाचार लर्निंग बाई डूइंग की व्यवस्था की है। चार ट्रेड में भी कार्यक्रम चला रहे हैं। इस साल नया प्रयोग समर कैंप का किया गया है। 21 मई से 10 जून तक कैंप में जीवन कौशल और रचनात्मकता की शिक्षा दे रहे हैं। आज 3276 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण व शुभारंभ हो रहा है। हर जिले में सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। आज 38 जिलों के लिए 447 करोड़ का शिलान्यास होगा। सीएम अभ्युदय विद्यालय, पहले से चल रहे स्कूलों को अपग्रेड करेंगे। आज 66 विद्यालय का शिलान्यास, बाकी 1.42 करोड़ से अपग्रेड होंगे।

उपराष्ट्रपति ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

नरसिंहपुर, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर में आयोजित 'कृषि उद्योग समागम' कार्यक्रम परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी इस दौरान उनके साथ उपस्थित रहे और पौधरोपण किया। मंत्रिपरिषद में शामिल कई अन्य मंत्रियों ने भी पौधरोपण में हिस्सा लिया। श्री धनखड़ यहां 'कृषि उद्योग समागम' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आए हैं।

'पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी होगी', आतंकवाद को लेकर शशि थरूर ने पड़ोसी मुल्क को चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन के खिलाफ एक कड़ा संदेश देते हुए, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुयाना में कहा कि भारत अपने नागरिकों को नुकसान पहुँचाने के बाद किसी को भी दंड से बच निकलने की अनुमति नहीं देगा। इस्लामाबाद द्वारा आतंकवाद को समर्थन दिए जाने पर नई दिल्ली के दृढ़ रुख के बारे में वैश्विक समुदाय को सूचित करने के उद्देश्य से एक बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत न केवल अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उन लोगों को भी जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध है जो आतंकवादियों को वित्तपोषित, प्रशिक्षित और हथियार प्रदान करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के दौरे के बाद जॉर्जटाउन पहुंचे थरूर ने कहा कि हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है। हमें आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा, चाहे वह कहीं भी हो। हमें न केवल दुष्ट हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाना है, बल्कि हमें उन लोगों को भी गंभीरता से चुनौती देनी होगी जो उन्हें वित्तपोषित कर रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षित कर रहे हैं, उन्हें सुसज्जित कर रहे हैं, उन्हें उनके बुरे काम करने के लिए निर्देशित कर रहे हैं।

मौसम ने ली करवट! परेशान हुए महाराष्ट्र के लोग, राज्य में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

मुंबई,एजेंसी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार को अगले पांच दिनों के लिए पुणे और सतारा सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में "अत्यधिक भारी से बहुत भारी" बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के साथ-साथ सतारा और पुणे जिलों और कोल्हापुर जिले

सहित उनके घाट (पहाड़ी) क्षेत्रों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (जिसका अर्थ है "राहत कार्रवाई के लिए तैयार रहें") जारी किया है। महाराष्ट्र के रायगढ़ के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' केवल 25 और 26 मई के लिए वैध है। बारिश के कारण बड़े पैमाने पर जलभराव हुआ और परिवहन तथा उड़ान संचालन बाधित हुआ, जिससे 250 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं। कुर्ला, सायन, दादर और परेल सहित कई निचले इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए, जहां सुबह-सुबह बाढ़ से भरी सड़कों से वाहन गुजरते हुए दिखाई दिए। शहर में भारी बारिश के कारण तीनों प्रमुख लाइनों- सेंट्रल, वेस्टर्न और हार्बर पर लोकल ट्रेन सेवाएं निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे जिले और अन्य बारिश प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति की समीक्षा की, आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ तैयारियों और प्रतिक्रिया प्रयासों का आकलन करने के लिए चर्चा की।

मोदी सरकार के 11 साल, खड़गे ने कसा तंज, बोले-

140 करोड़ जनता का हर तबका परेशान, ऐसा रहा कमल का निशान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार द्वारा अच्छे दिन के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहने का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया। एक्स पर बात करते हुए, खड़गे ने मौजूदा शासन के बारे में कई चिंताओं को उजागर किया, जिसमें बढ़ती बेरोजगारी, अधूरे नौकरी और आय के वादे, हाशिए पर पड़े समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियाँ, बढ़ती मुद्रास्फीति और असमानता, मेक इन इंडिया जैसी पहलों में रुकावटें, तनावपूर्ण विदेशी संबंध और लोकतांत्रिक संस्थानों का कमजोर होना शामिल है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि 26 मई 2014, 11 सालों में बड़े-बड़े वादों को खोखले दावों में बदलकर मोदी सरकार ने देश

की ऐसी दुर्दशा की, कि अच्छे दिन की बात अब एक डरावने सपने की तरह साबित हुए। युवा कृ सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा, असलियत में करोड़ों की गायब। किसान कृ न आय हुई दोगुनी, ऊपर से खाने पड़ी रबर बुलेट। महिला कृ आरक्षण पर शर्तें लागू, सुरक्षा तार-तार। उन्होंने आगे लिखा कि विदेश नीति कृ वादा था "विश्वगुरु" बनने का, बिगाड़े हर देश से सम्बन्ध। लोकतंत्र हर स्तंभ पर RSS का हमला, ED/CBI का दुरुपयोग, संस्थानों की स्वायत्तता दी उजाड़। 140 करोड़ जनता का हर तबका परेशान, 11 सालों में ऐसा रहा कमल का निशान!! केंद्र में भाजपा का निर्बाध अभियान 2014 में शुरू हुआ, जब भगवा पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया। इसने 2019 और 2024 के आम चुनावों में सत्ता बरकरार रखी, जिससे लगातार तीन कार्यकाल पूरे हुए। 2014 में अपनी पार्टी की जीत के बाद पीएम मोदी ने कहा था, "भारत जीत गया है! भारत विजयी है। अच्छे दिन आने वाले हैं।"

हिसार कोर्ट ने ज्योति मल्होत्रा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।हरियाणा के हिसार की एक स्थानीय अदालत ने यह आदेश दिया। 33 वर्षीय कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था और वह अब तक हिसार पुलिस की हिरासत में थी। पिछले दो हफ्तों में जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित राज्यों से गिरफ्तार किए गए 12 लोगों में मल्होत्रा छ्मी शामिल हैं। जांच अधिकारियों को उत्तर भारत में पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क के सक्रिय होने का संदेह है। जांचकर्ताओं का मानना है कि मल्होत्रा आईएसआई के सीधे संपर्क में थी और उसे पाकिस्तानी गृह मंत्रालय से विशेष सुरक्षा मंजूरी और विशेषाधिकार प्राप्त थे।

भारत में कोविद-19 के 1009 सक्रिय मामले, केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में बढ़ा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 के 752 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही देश में कुल मामलों की संख्या 1,000 से अधिक हो गई है। केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली ऐसे राज्य हैं जहां पिछले एक सप्ताह में सबसे अधिक नए संक्रमण के मामले सामने आए हैं। भारत के कोविड-19 अपडेट के अनुसार कुल 1009 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से 752 मामले हाल ही में पुष्टि किए गए हैं। केरल में सबसे ज़्यादा 430 सक्रिय मामले हैं, उसके बाद महाराष्ट्र में 209, दिल्ली में 104 और कर्नाटक में 47 सक्रिय मामले हैं। अंडमान और निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर जैसे कुछ राज्यों में फिलहाल कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं किया गया है। कई शहरों में

कोविड-19 के नए मामलों में स्पष्ट वृद्धि के बीच, देश में दो नए वेरिएंट – NB-1-8-1 और LF-7 के मामले सामने आए हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार की एजेंसी इंडियन SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (Insacog) के ताजा आंकड़ों से मिली है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शनिवार को राष्ट्रीय स्थिति की समीक्षा की। मंत्रालय ने कहा, "मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक से मामले सामने आए हैं। अधिकांश मामले हल्के हैं और घर पर ही देखभाल की जा रही है।" कर्नाटक में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने रविवार को कहा कि सरकार जोखिम वाले मामलों की जांच समेत सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठा रही है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 84 वर्षीय एक व्यक्ति के कोविड-19 जांच में संक्रमित पाए जाने के बाद उसकी मौत को लेकर राव ने संवाददाताओं से कहा, " उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की परेशानियां थीं। इसलिए हमने ऑडिट के लिए कहा है। हम सीधे तौर पर यह नहीं कह सकते कि उनकी मौत केवल कोविड-19 की वजह से हुई।"

प्रयागराज इकाई की महिला काव्यगोष्ठी सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच प्रयागराज इकाई की महिला काव्य गोष्ठी शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना के संयोजन मे और उमेश श्रीवास्तव के

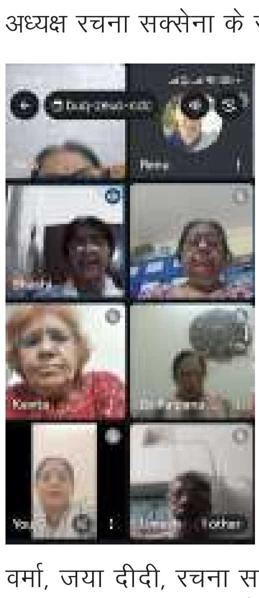

अध्यक्षता में गूगलमीट द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि जया मोहन एवं मीरा सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि कविता उपाध्याय रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम चार बजे से छः बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रहें उमेश श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कविता उपाध्याय द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन रेनू मिश्रा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में मीरा सिन्हा, साधना खरे, शाम्भवी, डॉ कल्पना वर्मा, जया दीदी, रचना सक्सेना, कविता उपाध्याय, डॉ शाशि जायसवाल, मंजू लता नागेश, डॉ गीता सिंह, डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन रेनू मिश्रा ने किया।

महिलाओं के साथ जघन्य अपराध नहीं रोक पा रही मप्र सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं लगातार बढ़ रही है, अपराधी बेधड़क घूम रहे हैं और राज्य सरकार अपराधों को रोकने में पूरी तरह असमर्थ साबित हो रही है। आदिवासी कांग्रेस के प्रमुख डॉ विक्रांत भूरिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के साथ लगातार अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं और राज्य सरकार इसे नियंत्रित नहीं कर पा रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव गृह मंत्रालय का कार्य भी संभाल रहे हैं इसलिए राज्य में सबसे पहले पूर्णकालिक गृह मंत्री होना चाहिए। पूर्णकालिक गृहमंत्री नहीं होने के कारण राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़

रहे हैं और अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह के जघन्य अपराध राज्य में हो रहे हैं, उसे देखकर रूह कांपती है। मध्य प्रदेश के खंडवा में 45 साल की एक आदिवासी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ जिसमें आरोपियों ने शराब के नशे में महिला के गुप्त अंग में सरिया डालकर उसे बुरी तरह घायल कर दिया जिससे पीड़िता की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।जब डॉक्टरों ने पोस्टमॉर्टम किया तो वे भी उस भयावह अपराध को देखकर दंग रह गए। खंडवा में हुए इस अपराध पर प्रशासन मौन बैठा है। कांग्रेस नेता ने राज्य की भाजपा सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा " क्या मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बेलगाम हो गई है। जब मुख्यमंत्री ही गृह मंत्री हैं तो क्या ऐसी घटनाएं होनी चाहिए। श्री यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से बलात्कार की घटनाएं 18 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। आदिवासी महिलाओं के साथ अपराध के मामले में ये आंकड़ा 26 प्रतिशत तक पहुंच गया है। राज्य की भाजपा सरकार का शराब माफियाओं और अपराधियों पर कोई नियंत्रण नहीं है। मध्य प्रदेश रेप कैपिटल और शराब कैपिटल बनता जा रहा है।" उन्होंने कहा " प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को मध्य प्रदेश के भोपाल जा रहे हैं। विडंबना देखिए कि जिस प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध हो रहे हैं, दुष्कर्म हो रहे हैं, वहां महिलाओं का 'महा महिला सम्मेलन' आयोजित किया जा रहा है।

घाट की स्वच्छता के साथ शुरू हुआ 'दो साल बेमिसाल

प्रयागराज। महापौर और पार्षदों दो वर्षीय कार्यकाल सोमवार को पूरा हो गया। खास दिन पर नगर निगम में शाम को भव्य आयोजन होगा। खास दिन की शुरुआत गंगा घाट की सफाई के साथ शुरू हुई। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी सुबह पार्षदों के साथ दशाश्वमेध घाट की सफाई की। घाट के स्वच्छता अभियान में विधायक पूजा पाल के साथ नगर आयुक्त सीलम साई तेजा के साथ कई अधिकारी भी मौजूद रहे। शाम को नगर निगम के तुलसी पार्क में 'दो साल बेमिसाल कार्यक्रम होगा। शाम चार बजे से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 'दो साल बेमिसाल पुस्तिका का विमोचन करेंगे। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बताया कि दो साल के कार्यकाल में नगर निगम ने शिवालय पार्क बनाया। भगवान ब्रह्मा, महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा लगाई। खेलो प्रयागराज का आयोजन किया। साहित्य तीर्थ स्थल का निर्माण आदि का काम कराया है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज थाने की पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को पकड़कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी रवि कुमार को मुखबिर की सूचना पर उमरपुर नीवां के निकट पंचायत भवन के पीछे से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले एक परिवार ने अपनी 14 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। तहरीर के आधार पर पुलिस आरोपी रवि कुमार निवासी उमरपुर नीवां के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी थी। इसी बीच रविवार की रात मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी रवि कुमार पंचायत भवन के पीछे खड़ा है। वह कहीं भागने में फिराक में लगा हुआ है। पुलिस ने तत्काल दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

स्टेडियम में फ्लड लाइट चालू करने का काम शुरू

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में फ्लड लाइट चालू करने का काम शुरू हो गया। फ्लड लाइट के लिए स्टेडियम के पास ट्रांसफॉर्मर रूम बनाया जा रहा है। केबल के लिए पोल लगाया जा रहा है। जून के प्रथम सप्ताह में फ्लड

लाइट चालू होने से स्टेडियम में सूर्यास्त के बाद भी खेल हो सकेगा। ठोस जमीन की मिट्टी को नरम करने के लिए पानी मिल सकेगा। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान ने एक मई को 'बोले प्रयागराज शृंखला के तहत 'सख्त मिट्टी पर कैसे अभ्यास करें खिलाड़ी शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों ने समाचार को संज्ञान में लेकर स्टेडियम में फ्लड लाइट के लिए बिजली का कनेक्शन देने का निर्देश कार्यदायी एजेंसी को दिया। एजेंसी ने फ्लड लाइट और नलकूप चलाने के लिए बिजली कनेक्शन देने का काम शुरू कर दिया। स्टेडियम के पास रूम बनने के बाद इसमें ट्रांसफॉर्मर रखकर बिजली कनेक्शन चालू किया जाएगा। साथ ही मिनी नलकूप चालू होने के बाद ग्राउंड की सिंचाई हो सकेगी। स्टेडियम के प्रशिक्षकों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बिजली का काम तेजी से किया जा रहा है। स्टेडियम में 22 जून से आयोजित होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पहले फ्लड लाइट और नलकूप की बिजली सप्लाई चालू करने के लिए कहा गया है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मिशन मैनेजर संजय रथ ने बताया कि एजेंसी को 10 जून से पहले बिजली सप्लाई चालू करने का निर्देश दिया गया है।

सिविल लाइंस में बम से हमला करने वालों की तलाश

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र में रविवार शाम बीएचएस के सामने छात्रों के दो गुटों में मारपीट के दौरान बम से हमला के बाद सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने घटना के बाद तीन–चार युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया था। पुलिस अब पूछताछ के आधार पर बम से हमला करने वाले आरोपी की तलाश में जुटी है। उसकी गिरफ्तारी के लिए देर रात तक संभावित ठिकानों पर दबिश दी जाती रही। पुलिस के अनुसार छात्रों के दो गुटों में गर्ल फ्रेंड के विवाद में रविवार की देर शाम बीएचएस के समीप मारपीट हुई थी। मारपीट के दौरान ही एक पक्ष की ओर से देशी बम से हमला किया गया। इससे ऋषि जख्मी हो गया। बम के धमाकों की आवाज सुनकर दहशत में आ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसमें बम से हमला करने वाले की भी पहचान हो गई है। आरोपी को गिरफ्तार का प्रयास जारी है।

अखंड सौभाग्य के लिए हुई बट पूजा

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखा। व्रत से पहले

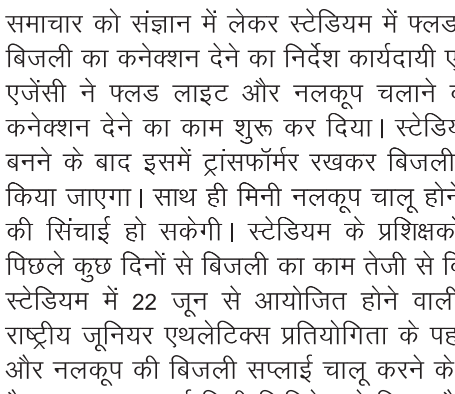

सुहागिनों ने संगम सहित अन्य घाटों पर स्नान किया। महिलाओं ने शिवालयों में भोलेनाथ का पूजन–अर्चन करने के बाद बरगद के पेड़ के पास समूह में पूजा की। सौभाग्यवती महिलाओं ने पति और संतान की दीर्घायु की कामना को लेकर पेड़ पर सूत के धागे लपेटते हुए 108 बार बट वृक्ष की परिक्रमा कर कथा सुनी। हालांकि दोपहर बारह बजे अभिजीत मुहूर्त से लेकर शाम गोधूलि बेला तक भरणी नक्षत्र व शोभन योग में बट पूजा का सिलसिला तेज हो जाएगा।

कागज पर शहरी, धरातल पर गांव से भी बदतर

प्रयागराज। मड़ौका स्थित सरस्वती नगर कॉलोनी की एक बड़ी आबादी बिजली, पानी, सड़क, सफाई, सीवर एवं बिजली के पोल न होने की समस्या से जूझ रही है। शहर के विस्तारीकरण के क्रम में वार्ड संख्या 29 में एक बड़ा भूभाग नगर निगम के दायरे में शामिल तो कर लिया गया लेकिन बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच पाईं जिससे यहां के लोग परेशान हैं। इस वृहद कॉलोनी के फेस 8 एवं 9 में सैकड़ों परिवार रह रहे हैं जो कई वर्षों से चली आ रही बिजली की समस्या से तंग आ चुके हैं। यहां बमुश्किल से पांच–छह घंटे ही बिजली मिल पाती है।

सम्पर्क मार्ग बदहाल हैं और कच्ची सड़कों पर धूल उड़ती है। बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है, कॉलोनी में सीवर लाइन नहीं बिछ पाई है, सफाई व्यवस्था दम तोड़ चुकी है। नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र में मड़ौका की सरस्वती नगर कॉलोनी भी आ चुकी है। पिछली बार हुए चुनाव में यहां के लोगों ने मतदान कर अपना पार्षद तो चुन लिया है लेकिन नगरीय सुविधाओं से आज भी वंचित हैं। सेक्टर 8 व 9 के बाशिंदे कई वर्षों से बिजली की समस्या से परेशान हैं। यहां मामा भांजा का तालाब विद्युत उपकेंद्र से आपूर्ति होती है। फेस एक से सात तक तो शहरी बिजली दी जा रही है लेकिन फेस 8 एवं 9 में ग्रामीण स्तर की आपूर्ति हो रही है। यहां लगे ट्रांसफार्मर आए दिन फुंकने से कई दिनों तक तक लोग बिना बिजली के रहते हैं। यहां लगे 63 केवी के ट्रांसफार्मर पर तीन गुना अधिक लोड होने से समस्या पैदा हो रही है जिसे बदलकर उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाना जरूरी है। लोगों की शिकायत है कि बिजली विभाग के लोगों की मिलीभगत से कुछ लोग एक केवी के घरेलू कनेक्शन पर व्यावसायिक गतिविधियां कर रहे हैं जिसके कारण लोड बढ़ जाता है। लोड बढ़ने पर एमसीबी गिर जाता है और आपूर्ति चालू होने में दो घंटे लग जाते हैं। यहां सफाई व्यवस्था दम तोड़ चुकी है। सफाईकर्मी कभी कॉलोनी में दिखते ही नहीं जिससे जगह–जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। लम्बे समय से यहां दवाओं का छिड़काव भी नहीं किया गया और न ही कभी फागिंग होती है। कच्चे रास्ते पर चलना है मजबूरी फेस 8 और 9 के लोग लोग कब से पक्की सड़क का इंतजार कर रहे हैं लेकिन इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। फेस 8 एवं 9 में लोगों को कच्चे रास्ते से होकर अपने घरों तक पहुंचना पड़ता है।

इन कच्चे रास्तों पर धूल उड़ती रहती है। बारिश के दिनों में परेशानी काफी बढ़ जाती है। मार्ग पर पानी जमा हो जाता है और लोग गंदे पानी व कीचड़ भरे रास्ते को पार कर आते–जाते हैं। यहां डामर रोड के साथ ही आरसीसी रोड एवं इंटरलॉकिंग की सख्त जरूरत है लेकिन लगातार शिकायत के बावजूद आज तक कुछ नहीं हुआ। खुद बीमार है स्वास्थ्य केंद्र सरस्वती नगर के फेस आठ में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र बदहाल पड़ा है। यहां आने वालों को तमाम परेशानी उठानी पड़ती है। केंद्र की बाउंड्री गिर चुकी है और कई बार चोरी हो चुकी है। दरवाजा लोग उखाड़ ले गए हैं। यहां तक पहुंचने के लिए रास्ता भी नहीं बनाया जा सका है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि परिसर में लगा हैंडपंप तीन साल से खराब है। लगातार शिकायत के बाद भी इसे नहीं बनाया गया जिससे यहां आने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। बल्लियों पर दौड़ रहे है बिजली के तार कॉलोनी के फेस 8 एवं 9 में अधिकतर स्थानों पर बिजली के पोल नहीं लगे हैं। कॉलोनी में बल्लियों के सहारे बिजली के तार दौड़ रहे हैं जो बेहद खतरनाक साबित हो रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने बताया कि उन्होंने बिजली के कनेक्शन तो ले लिए लेकिन बिजली के पोल न होने के कारण चार–पांच सौ मीटर दूर से केबल खींच कर बिजली लेनी पड़ी है। दूर से तार खींच कर लाने की वजह से तार ढीले होकर लटके रहे हैं और शार्ट सर्किट का खतरा बना रहता है। सीवर लाइन बिछीं न बनीं नालियां नगर निगम में शामिल कर लेने के बाद भी यहां अभी तक सीवर लाइन नहीं पहुंच पाई है जिससे लोग सीवर की सुविधा से वंचित हैं। जल निकासी के लिए पक्की नालियां भी नहीं बनाई गई है जिससे बारिश के दिनों में रास्तों पर पानी भरा रहता है। इससे लोग परेशान रहते हैं। पानी की पाइप लाइन बिछी पर नहीं शुरू हुई सप्लाई कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइने पिछले दिनों बिछाने का काम पूरा किया गया लेकिन इनसे आपूर्ति शुरू नहीं की गई है। पेयजल के लिए लोगों ने अपने स्तर से सबमर्सिबल पम्प लगा रखा है जिससे उनकी जरूरतें पूरी हो रही हैं। यहां पानी के टंकी से जलापूर्ति की जानी है लेकिन अभी तक टंकी का निर्माण भी पूरा नहीं हो पाया है। शिकायतें —बिजली कटौती एवं लोकल फाल्ट की समस्या है, लो वोल्टेज से भी लोग परेशान हैं। —सड़क न बनने से कच्चे रास्ते से आना जाना पड़ रहा है। बारिश में मार्ग पर पानी भर जाता है। —जल निकासी के लिए पक्की नालियां नहीं है। गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। —सीवर लाइन नहीं बिछ पाई है, लोगों को सीवर की सुविधा नहीं मिल पा रही है। —पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइनों से जलापूर्ति शुरू नहीं की गई है। —बिजली के पोल जरूरत के मुताबिक नहीं लगे हैं। बल्लियों के सहारे तार दौड़ रहे हैं। —सफाई व्यवस्था का अभाव है, गंदगी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। समाधान —ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाई जाए और उच्च क्षमता का ट्रांसफॉर्मर लगाया जाए। —डामर रोड, आरसीसी रोड बनाए जाएं, सम्पर्क मार्गों पर इंटरलाकिंग की जाए। —जल निकासी के लिए मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बनाई जाएं। —पूरी कॉलोनी में सीवर लाइन बिछाकर उसे मेन लाइन से जोड़ा जाए। —पानी की टंकी का निर्माण पूरा कर पाइप लाइनों से जलापूर्ति की जाए। —आवश्यकतानुसार बिजली के पोल लगाए जाएं और उससे आपूर्ति की जाए। —सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर कीटनाशकों का छिड़काव और नियमित फागिंग हो। हमारी भी सुनें—– बिजली की समस्या से हम लोग परेशान हो चुके हैं, इतनी बिजली भी नहीं आती की इन्वर्टर चार्ज हो सके। इस गर्मी में दिन के साथ रात में बिजली जाने की वजह से चौन से सो भी नहीं सकते।—अविनाश शुक्ला पूरे दिन में मुश्किल से 6–7 घंटे बिजली ही मिलती है। बिजली आती भी है तो लो वोल्टेज के कारण उपकरण चल नहीं पाते। वोल्टेज के हाई–लो होने के कारण आए दिन लोगों के उपकरण खराब हो रहे हैं।—सुफियान खान सड़कें और संपर्क मार्ग न बनने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। जरा सी बारिश हो जा जाए तो लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। सड़क और संपर्क मार्ग बनना जरूरी है।—सुरेंद्र सिंह कच्ची सड़क से आने–जाने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। बारिश में कच्चे मार्ग पर पानी भर जाता है और रास्ता बंद हो जाता है। छोटे बच्चे कीचड़ और गंदे पानी से होकर स्कूल जाते हैं जिससे यूनिफार्म खराब हो जाती है।—विवेक सिंह सड़क और बिजली यहां की बहुत बड़ी समस्या है। बिजली का तो यह हाल है कि कब आएगी और कब चली जाएगी कोई नहीं जानता। इससे लोग परेशान हो गए हैं। लम्बे समय से इस समस्या का निदान नहीं हो सका है।—राजेंद्र कुमार यहां पर लगा ट्रांसफॉर्मर कम क्षमता का होने के कारण आए दिन फुंक जाता है और लोकल फाल्ट बना रहता है। लोग उच्च क्षमता का ट्रांसफॉर्मर लगाने की बराबर मांग कर रहे हैं। नया ट्रांसफार्मर लगना जरूरी है।—उज्ज्वल प्रकाश बिजली थोड़ी–थोड़ी देर पर कटती रहती है जिसके कारण लोग परेशान रहते हैं। बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी इसका किसी को पता नहीं रहता। जब बिजली आती है तो लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है।—अर्चित मिश्रा बिजली की आवाजाही ने लोगों का सकून छीन लिया है। एक–एक घंटे के अंतराल पर बिजली कट जाती है जिसके कारण लोगों का घर में रहना भी मुश्किल हो गया है, रोज की समस्या से छोटे बच्चे परेशान रहते हैं।—सोनल श्रीवास्तव शायद पूरे शहर में सबसे कम बिजली इस इलाके में आती है। बिजली आती है तो लो वोल्टेज के कारण उपकरण नहीं चल पाते। इस गर्मी में बिजली न होने से जीना दुश्वार हो जाता है, लोग सुकून से सो भी नहीं पाते।— अमित सिंह मार्ग कच्चा होने के कारण परेशान हैं। गर्मी में सड़कों पर धूल उड़ती रहती है, बारिश हो जाए तो कीचड़ जमा हो जाता है। आने–जाने के लिए पक्की सड़क बन जाए तो आने–जाने में काफी सहूलियत हो जाएगी।—आशुतोष सिंह कॉलोनी की सड़क बेहद खराब है, यहां डामर रोड के साथ सम्पर्क मार्गों पर इंटरलाकिंग किया जाना जरूरी है। सीवर लाइन ,पेयजल के लिए पाइप लाइन, टंकी से जलापूर्ति यह सुविधा नगर निगम लोगों को प्रदान करे।—अश्वनी कुमार यहां बिजली और सड़क की समस्या से कॉलोनी के लोग काफी दिनों से परेशान हैं। लोग लगातार शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। सीवर लाइन भी अभी तक नहीं बिछ पाई है।—लक्ष्य बार–बार बिजली कटने से बहुत परेशानी होती है। कभी–कभी तो आधे–आधे घंटे के अंतराल में बिजली आती–जाती रहती है। छोटे बच्चे परेशान रहते हैं, उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। घर का काम भी नहीं हो पाता। अंकिता शुक्ला बिजली न होने से घर के काम नहीं हो पाते। बिजली कब आएगी, कब जाएगी इसका कोई अंदाजा नहीं रहता। यह रोज की समस्या है जिससे लोग उकता चुके हैं। बिजली न आने पर बच्चे परेशान रहते हैं।—अंजलि श्रीवास्तव

धूम–धाम से शादी, विदाई पर हुआ कुछ ऐसा की आपसी सहमति से दूल्हा–दुल्हन ने तोड़ दिया रिश्ता

प्रयागराज। यूपी में प्रयागराज के मऊआइमा में एक शादी ऐसी हुई कि केवल विदाई तक ही पहुंची। विदाई भी नहीं हो पाई और उससे पहले ही रिश्ता खत्म हो गया। तोतलापन एक नवविवाहिता के वैवाहिक जीवन की शुरुआत में ही रुकावट बन गया।

विदाई के समय वधू की तोतली आवाज सुनकर वर पक्ष ने शादी से इंकार कर दिया। इस घटना की पूरे क्षेत्र में चर्चा है। शादी कुछ घंटे भी नहीं चल पाई। लड़की और लड़के ने आपसी सहमति से विदाई से पहले रिश्ता खत्म कर लिया।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र की एक युवती की शादी कौशाम्बी जनपद निवासी युवक से तय हुई थी। शनिवार को धूमधाम से बारात पहुंची, जहां बारातियों का स्वागत–सत्कार

किया गया। द्वाराचार और भोज के बाद देर रात वैवाहिकरस्में पूरी कर सात फेरे संपन्न हुए। रात में अधिकांश बाराती लौट गए, केवल वर के निकट संबंधी ही रुके रहे। रविवार को जब विदाई की तैयारी चल रही थी और वधू बोलकर रोने लगी, तब उसकी आवाज में तोतलापन सुनाई दिया। इसे सुनकर वर और उसके परिजन चौंक गए और तत्काल शादी के अगुआ से इस विषय में बात की।

बात स्पष्ट होने के बाद वर पक्ष ने वधू से कई बार बातचीत की, जिसमें तोतलापन साफ झलक रहा था। इसी बात को लेकर वर पक्ष ने नाराजगी जताई और विदाई रोक दी गई।

मामला बढ़ते–बढ़ते पंचायत तक जा पहुंचा, जहां दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि शादी को यहीं खत्म कर दिया जाए। आपसी सहमति से दोनों पक्षों ने एक–दूसरे का दिया हुआ सामान वापस कर दिया और बारात बिना दुल्हन के ही कौशाम्बी लौट गई।

एक बंदर पकड़ने पर खर्च होंगे 1650 रुपये, स्पेशल एजेंसी करेगी प्रयागराज नगर निगम की मदद

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम शहरी सीमा में बंदरों को पकड़ेगा। पहले बंदरों को पकड़ने का काम वन विभाग करता था। अब नगर निगम बंदरों को पकड़ने के लिए एक एजेंसी की तैनाती करेगा। खास बात यह है कि नगर निगम एजेंसी को एक बंदर पकड़ने के लिए 1650 रुपये भुगतान करेगा। बंदर को पकड़ने की राशि और बढ़ सकती है। नगर निगम बंदरों को पकड़ने के लिए विशेषज्ञ एजेंसी की मदद लेगा। बंदरों को पकड़ने वाली एजेंसी की तैनाती के लिए नगर निगम के पशुधन विभाग ने पहली बार टेंडर निकाला है।

टेंडर में नगर निगम की ओर से एक बंदर पकड़ने का आधार भुगतान 1650 रुपये रखा गया है। एजेंसी की मांग पर यह राशि बढ़ाई भी जा सकती है। इससे पहले नगर निगम एक बंदर पकड़ने के लिए 1450

रुपये भुगतान करता था। बंदरों को पकड़ने के लिए निकाली गई निविदा पर नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि बंदर वन्य जीव है। अभीतक वन विभाग ही बंदरों को पकड़ता था। संसाधन की कमी के चलते वन विभाग शहरी क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने में सफल नहीं हो पा रहा था। जबकि शिकायतें नियमित प्राप्त होती हैं। लोगों की बढ़ती शिकायतों को ध्यान में रखकर नगर निगम ने बंदरों को पकड़ने का निर्णय लिया। सदन ने संकल्प पारित किया। वन विभाग ने भी प्रदेश में सभी नगर निकायों को बंदर पकड़ने की अनुमति दे दी है। 1650 रुपये भुगतान के सवाल पर पशुधन अधिकारी ने बताया कि बंदरों को एक्सरपर्ट ही पकड़ सकते हैं। उनके पास बंदरों को पकड़ने के लिए खास उपकरण होते हैं।

वन विभाग भी एक्सपर्ट की मदद से बंदरों को पकड़ता था। एजेंसी तय होने के बाद नगर निगम शहरी क्षेत्र में बंदरों को पकड़ना शुरू कर देगा।

इन मोहल्लों में बंदरों का आतंक

दारागंज, गोविंदपुर, जोंधवल, मेंहदौरी, कर्नलगंज, टैगोरटाउन, प्रयाग स्टेशन, प्रयागराज संगम स्टेशन, फाफामऊ स्टेशन, झूसी, अरैल आदि।

शर्मनाक! स्कूल–कॉलेजों के बाहर खुलेआम हो रहा नशे का धंधा, स्कूटी की डिग्गी खोलकर बेच रहे पुड़िया

प्रयागराज। पुलिस के तमाम दावों के बाद भी यूपी के प्रयागराज में नशे का अवैध कारोबार हो रहा है। यहां तक कि स्कूल–कॉलेज से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम अवैध

तरीके से गांजे की बिक्री हो रही है। ईसीसी कॉलेज और सिविल लाइंस हनुमान मंदिर चौराहे के समीप भांग की दुकान की आड़ में गांजे की पुड़िया बेची जा रही है। तीन केस उदाहरण मात्र हैं, शहर के अधिकांश जगहों पर नशे का खेल जारी है।

केस 1– सिविल लाइंस हनुमान मंदिर के पास पुलिस चौकी से चंद कदम दूर भांग की दुकान में खुलेआम गांजा बिक रहा है। वहां अक्सर युवाओं की भीड़ लगी रहती है।

केस 2– गऊघाट के ईसीसी कॉलेज के पास गली में स्कूटी से गांजा बेचा जा रहा है। दाम 120 रुपये से लेकर 800 रुपये तक एक पुड़िया।

केस 3– मीरापुर पुलिस चौकी के सामने ही तस्कर गांजे की बिक्री कर रहे हैं। उन्हें किसी कार्रवाई का डर नहीं।

ईसीसी कॉलेज के पास लाइसेंस भांग की दुकान के पीछे गली में रोजाना एक स्कूटी सवार डिग्गी खोलकर 120 से 800 रुपये तक कीमत में गांजे की पुड़िया बेचता है। दो अलग–अलग क्वालिटी का गांजा बताकर बेचा जा रहा है। सस्ती क्वालिटी वाले गांजे की पुड़िया 120 रुपये और दूसरी 800 रुपये में श्प्रीमियम क्वालिटीश बताकर गांजे की पुड़िया बेची जा रही है। यह नजारा न केवल नशे के व्यापार की गंभीरता को दर्शाता है, बल्कि यह भी साफ करता है कि किस तरह शहर के युवाओं को खुलेआम बर्बादी की ओर धकेला जा रहा है। खास बात यह है कि यह सब कुछ कॉलेज परिसर से महज कुछ कदम की दूरी पर और पुलिस चौकी के पास चल रहा है। शहर के सिविल लाइंस, गऊघाट, मीरापुर, रामबाग, जेल रोड, प्रयाग स्टेशन, एयरपोर्ट आदि इलाकों में सरकारी भांग के ठेकों की आड़ में धड़ल्ले से गांजे की अवैध बिक्री की जा रही है।

ट्रेन में महिला का पर्स छीना और कूद कर भाग निकला

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एक चोर महिला यात्री का पर्स छीन लिया और ट्रेन से कूदकर भाग निकला। महिला की शिकायत पर प्रयागराज जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि पटना निवासी शमा प्रवीन पत्नी मो. अबुतालिब कुछ दिन पहले नई दिल्ली से दानापुर जा रही थीं। शमा प्रवीन ने बताया कि वह स्पेशल ट्रेन संख्या 02394 के कोच एस–2, सीट संख्या 79–80 पर सवार थीं। जैसे ही ट्रेन प्रयागराज स्टेशन से रवाना हुई, एक अज्ञात युवक ने अचानक उनका लेडीज पर्स छीन लिया।

वीणावादिनी संगीत संस्था के गायक कलाकारों ने दमदार प्रस्तुति से समां बांधा,,, कराटे इंडिया के डायरेक्टर वेदप्रकाश शर्मा ने किया गायकों का सम्मान

मुजफ्फरनगर। नई मंडी गोकुल रेस्टोरेंट में वीणावादिनी संगीत संस्था के कलाकारों द्वारा शानदार एवं दमदार गायन प्रस्तुति ने दर्शकों को खड़े होकर तालियां बजाने पर मजबूर कर

दिया कार्यक्रम की शुरुआत माँ शारदे की वंदना से हुई महिला वर्ग में रुड़की से आईं मशहूर गायिका प्रिया पौडवाल ने नैनों में बदरा छाए एवं पुरुष वर्ग में कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा ने दीवानों से ये मत पूछो गाकर कार्यक्रम में समां बांध दिया शशि जी प्रणवी मित्तल,आयाना ने भी मनमोहक प्रस्तुतियां दी मशहूर गायक भीमसेन, डॉ देव चौधरी, जयकुमार,मनोज वर्मा, सौरभ मित्तल, जितेन्द्र कुमार, रेशु गुप्ता, परविन्द्र जी, विकास जी , राजकुमार जी, प्रमोद जी ,अनुज जी, सम्पूर्णानंद, आदि ने अपनी मधुर गायकी से दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा आयोजक गौरव मित्तल एवं सौरभ मित्तल ने सभी कलाकारों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाओं सहित उचित सम्मान दिया।

राजकीय इंटर कालेज मेहलकी में समर कैंप के छठे दिन का प्रारंभ योग और व्यायाम के साथ

मुजफ्फरनगर। राजकीय इंटर कॉलेज मेहलकी में समर कैंप के छठे दिन का प्रारंभ योग और व्यायाम के साथ हुआ तथा

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार जी श्रीमती ज्योति वर्मा जी के द्वारा योग से दबाव मुक्त होकर कैसे पढ़ाई कर सकते हैं इसके बारे में बताया गया। दिलीप कुमार जी के द्वारा बच्चों को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी दी गयी। कैसे कंप्यूटर का इस्तेमाल कार्यालय विद्यालयों में फाइल रखने के लिए किया जाता है इसके बारे शमें बताया गया तथा स्वास्थ्य को कैसे ठीक रख सकते हैं इसके बारे में भी जानकारी दी गई। समर कैंप के छठे दिन की समाप्ति बच्चों को जलपान कराने के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्रीमती ज्योति वर्मा सहायक अध्यापक, श्री दिलीप कुमार, श्री रिशिपाल जी का सहयोग सराहनीय रहा।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की मई माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि पूनम पांडे तथा विशिष्ट अतिथि डॉ सुषमा त्रिपाठी रहीं। यह काव्य गोष्ठी सायंकाल 5 बजे से 6रू00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, सुनीता गुप्ता, सुषमा त्रिपाठी, सौम्या शर्मा, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें ।अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया ।

कांग्रेस ने बनाई विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति

पंचायत चुनाव में मेहनत दिलायेगी विधानसभा चुनाव में टिकट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा 2027 चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी–अपनी तैयारी में जुट गए हैं। कांग्रेस ने प्रदेश में सियासी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया। तैयारियों में पंचायत चुनाव में नेताओं की भूमिका अहम रोल अदा करने जा रही है। यूपी कांग्रेस ने नेताओं को साफ कर दिया है कि विधानसभा चुनाव में टिकट चाहिए तो पहले अपने क्षेत्र में पार्टी के उम्मीदवारों को पंचायत चुनाव में बड़ी जीत दिलाने के लिए मेहनत करें।यूपी में अगले 2026 में पंचायत चुनाव होने जा रहा है।कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं से इन चुनाव में जी जान से मेहनत करने के निर्देश दिए हैं। इस चुनाव में जिसकी जितनी सफलता उसकी दावेदारी उतनी ही प्रबल मानी जाएगी।कांग्रेस संगठन का लिटमस टेस्ट पंचायत चुनाव है, जिसमें सभी को पंचायत क्षेत्र में लोगों से बेहतर संवाद और समन्वय के साथ पंचायत चुनाव जीतने के लिए लगने के लिए कहा गया है। जो जितना बेहतर पंचायत चुनाव में करेगा उसकी दावेदारी 2027 के विधानसभा चुनाव में उतनी ही प्रबल होगी। कांग्रेस ने बूथ स्तर तक संगठन बनाने के लिए 100 दोनों का कार्यक्रम तय किया है। नेताओं को साफ किया गया है कि जिन नेताओं को विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा है वह पहले पंचायत चुनाव पर अपना ध्यान केंद्रित करें और पार्टी जिसे भी पंचायत चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाती है उसे पूरी ताकत से जिताने का प्रयास करें। जो व्यक्ति अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवार जिताएगा उसकी उस विधानसभा में टिकट की दावेदारी उतनी ही पुख्ता मानी जाएगी।

लोकपाल के आदेश पर गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय में 119 मनरेगा मजदूरों ने किया 3 दिन का श्रमदान

बीते लोक सभा चुनाव 2024 के समय बिना कार्य किये हुआ था भुगतान गाँव के सिचाई से जुड़े प्रमुख नाले की हुई सफाई व जरूरी खुदाई

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा के आदेश के अनुपालन में गौरा विकास खंड के पूरे राम सहाय ग्राम पंचायत में 24 मई से 26 मई तक मनरेगा मजदूरों श्रमदान किया। वजह स्पष्ट है की बीते साल 2024 में लोक सभा चुनाव के चलते ग्राम में 24 से 26 मई तक कार्य पूरी तरह से बंद था। लोकपाल के समक्ष शिकायत आने पर जांच हुई तो बिना कार्य किये भुगतान का मामला प्रकाश में आने पर लोकपाल ने 24 से 26 मई 2025 को श्रमदान कर अपना हिसाब बराबर करने का निर्णय दिया।

लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ श्री समाज शेखर प्राण द्वारा 20 मई 2025 को जारी आदेश के अनुपालन में पूरे राम सहाय ग्राम पंचायत में मनरेगा के सैकड़ो मजदूरों ने तीन दिन तक श्रमदान किया। यह निर्णय बीते साल 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान बिना कार्य किए हुए भुगतान के मामले में जांच के बाद लिया गया था।

'इस मामले में महत्वपूर्ण बातें'

1. 'बिना कार्य किए भुगतान'रू बीते साल 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान ग्राम में बिना कार्य किए भुगतान किया गया था।

2. 'लोकपाल की जांच और निर्णय'रू लोकपाल ने जांच के बाद निर्णय दिया कि मजदूरों को श्रमदान करना होगा। अथवा प्रधान, सचिव व तकनीकी सहायक से रिकबरी होगी।

3. 'श्रमदान का आयोजन'रू 24 मई से 26 मई 2025 तक ग्राम के 119 मनरेगा मजदूरों ने श्रमदान कर गाँव के एक सिचाई के लिए महत्वपूर्ण नाले की सफाई व खुदाई का कार्य किया गया और अपना हिसाब बराबर किया।

'इस मामले से सीखने को मिलता है'

1. 'पारदर्शिता और जवाबदेही'रू सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

2. 'लोकपाल की भूमिका'रू लोकपाल की भूमिका सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने में महत्वपूर्ण है।

3. 'मजदूरों की जिम्मेदारी'रू मजदूरों ने भी अपनी जिम्मेदारी समझी कि बिना काम के लिया गया पैसा हराम है और ग्राम चौपाल में लोकपाल के समक्ष मजदूरों व ग्रामीणों ने ही 3 दिन किसी और कार्य को कराये जाने का अनुरोध किया था। मजदूरों ने श्रमदान जैसे आयोजनों में भाग लिया।

एनसीसी कैंप में आर्मी रिक्रूटमेंट की दी गई जानकारी

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी एनसीसी बटालियन मुजफ्फरनगर में चल रहे एनसीसी के दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप के छठे दिन प्रथम सत्र में कैडेट्स को ष्आर्मी रिक्रूटमेंटष् की जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में ष्एनसीसी स्पेशल एंट्रीष् के अन्तर्गत सीडीएस में चयनित कैडेट प्रियव्रत सिंह ने अपने अनुभवों को साझा किया।

सोमवार को कैंप में आर्मी रिक्रूटमेंट बोर्ड परिक्षेत्र मेरठ के सूबेदार मेजर हरदयाल सिंह ने कैडेट्स को बताया कि भारतीय सेना में भर्ती होने से आप देश की सेवा करने का अवसर प्राप्त करते हैं। आप देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा में योगदान कर सकते हैं।

भारतीय सेना में नौकरी करना एक सुरक्षित और स्थिर कैरियर विकल्प है। आपको नियमित वेतन, पेंशन और अन्य लाभ मिलते हैं।सेना में भर्ती होने से आपको व्यक्तिगत विकास के कई अवसर मिलते हैं। आप नेतृत्व, अनुशासन, टीम वर्क और समस्या–समाधान कौशल विकसित कर सकते हैं।

भारतीय सेना में भर्ती होने से आपको शैक्षिक अवसर भी मिलते हैं। आप विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।सेना में भर्ती होने से आपको स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाएं भी मिलती हैं। आपको चिकित्सा सुविधाएं, आवास और अन्य कल्याणकारी योजनाएं मिलती हैं।भारतीय सेना में भर्ती होने से आपको सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान मिलता है। आप समाज में एक प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं।सेना में भर्ती होने से आपको करियर में उन्नति के अवसर भी मिलते हैं। आप पदोन्नति और अन्य अवसरों का लाभ उठा सकते है।सेना में भर्ती होने से आपको वित्तीय लाभ भी मिलते हैं। आपको वेतन, भत्ते और अन्य वित्तीय लाभ मिलते हैं।सेना में भर्ती होने से आपको सामाजिक सुरक्षा भी मिलती है। आपको विभिन्न सुरक्षा सुविधाएं और लाभ मिलते हैं।भारतीय सेना में भर्ती होने से आपको देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का अवसर मिलता है। आप देश के लिए समर्पित होकर काम कर सकते हैं। कैंप के द्वितीय सत्र में एनसीसी स्पेशल एंट्री के अन्तर्गत सीडीएस में चयनित कैडेट प्रियव्रत सिंह ने अपने अनुभवों को साझा किया।इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल, डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल नवीन पराशर, कैंप एडजुडेंट मेजर अरविंद कुमार, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट नावेद अख्तर, सूबेदार मेजर यशपॉल,चीफ ऑफिसर सतेन्द्र तोमर, चीफ ऑफिसर विपिन कुमार, चीफ ऑफिसर रमन सिंह, फस्ट आफिसर जयवर्धन सिंह,सैकिंड आफिसर वाजिद अली आदि मौजूद रहे।

डी एस पब्लिक स्कूल में पूल पार्टी में बच्चे हुए मस्त

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल में परीक्षा की समाप्ति पर बच्चों के लिए पूल पार्टी आयोजित की गई। पूल पार्टी में बच्चों ने ठंडे पानी की बौछारों के बीच खूब मस्ती की। पूल पार्टी के लिए स्कूल ग्राउंड को विशेष रूप से बहुत ही सुंदर ढंग से सजाया गया। नन्हे मुन्ने बच्चों को कूल कूल एहसास कराने के लिए स्कूल ग्राउंड में रबर के बाथटब एवं पूल सजाए गए। पूल पार्टी को और अधिक कूल बनाने के लिए ग्राउंड को सी बीच की तरह से बनाया गया।

इस विशेष पूल वाले ग्राउंड को रंग–बिरंगी झालरों , फूलों एवं आकर्षक रंगीन छातों सहित बड़े–बड़े गुब्बारों से सजाया गया। पूल पार्टी में नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए विशेष डाइनिंग टेबल एवं चेयर्स भी सजायी गयी। जहां बच्चों ने स्विमिंग पूल में धमाल मचाने के बाद स्वादिष्ट जायकेदार खाने का आनंद लिया। परीक्षा के अंतिम दिन आज आयोजित हुई पूल पार्टी में बच्चों ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए तरणताल में बिरंगी बॉल , गुब्बारों तथा बोट के साथ खूब धमाल मचाया । बच्चों की पार्टी को और अधिक मस्त एवं कूल बनाने के लिए ग्राउंड पर शॉवर्स द्वारा पानी की बारिश की गई। शॉवर्स द्वारा ठंडे पानी की बौछारों के बीच बच्चों ने रेन डांस करके खूब मस्ती की। पूल पार्टी में स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने सभी बच्चों को गर्मियों की छुट्टी में समय का सही सदुपयोग करने का सुझाव देते हुए सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने पूल पार्टी के सफल आयोजन के लिए एक्टिविटी इंचार्ज रजनीश शर्मा, रविश शर्मा, हेमलता वर्मा, पूनम यादव, निशा कौशिक, पारुल गोयल ,रोहिणी अरोड़ा, स्वाति खेड़ा, जानवी शर्मा, अनुश्री एवं आंचल रानी की सराहना की।

प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने बच्चों को बताया कि गर्मियों में धूप के समय बाहर नहीं खेलना चाहिए तथा घर पर रहकर मौसमी फलों एवं जूस आदि सहित भोजन में अधिक से अधिक पानी की मात्रा लेनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को गर्मियों की छुट्टी में सही टाइम टेबल बनाकर छुट्टियों का सही सदुपयोग करने के विषय में समझाया । उन्होंने बच्चों को कहा कि समर ब्रेक का सही उपयोग कोई भी शॉर्ट टर्म हॉबी कोर्स करके किया जा सकता है। बच्चे क्राफ्ट, कंप्यूटर, स्पीकिंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कुकिंग सहित योगा जैसी लाभदायक क्रियाओं को अपनी दैनिक जीवन चर्या में शामिल करके समर ब्रेक का सही उपयोग सकते हैं।

यूपी में बनेगा 700 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे, निर्माण तीन वर्ष में पूरा होने की उम्मीद

लखनऊ, संवाददाता। ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के रूप में प्रस्तावित 650 किलोमीटर लंबे शामली–गोरखपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण 11 पैकेजों में किया जाएगा। शाहजहांपुर में पुवायां को महत्वपूर्ण जंक्शन के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना कम से कम समय में पूरी हो इसलिए एक्सप्रेसवे की परियोजना रिपोर्ट डीपीआर दो भागों में तैयार की जा रही है। यह एक्सप्रेस वे नैनीताल रोड और बरेली में पीलीभीत रोड को जोड़ेगा। कार्ययोजना बरेली में कंसल्टेंट के साथ कई दौर की बैठकों के बाद तय की गई है। मुख्यालय के अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक में एक्सप्रेसवे के अलाइनमेंट का प्रस्ताव रखा गया है। तीन विन्यासों पर प्रारंभिक सहमति बन गई है।तीनों के लिए अलग–अलग डीपीआर तैयार की जा रही है। परामर्श फर्म ने यह पता लगाने के लिए सर्वेक्षण भी शुरू कर दिया है कि इस पर कितने पुल, ओवरब्रिज और फ्लाईओवर की जरूरत होगी।

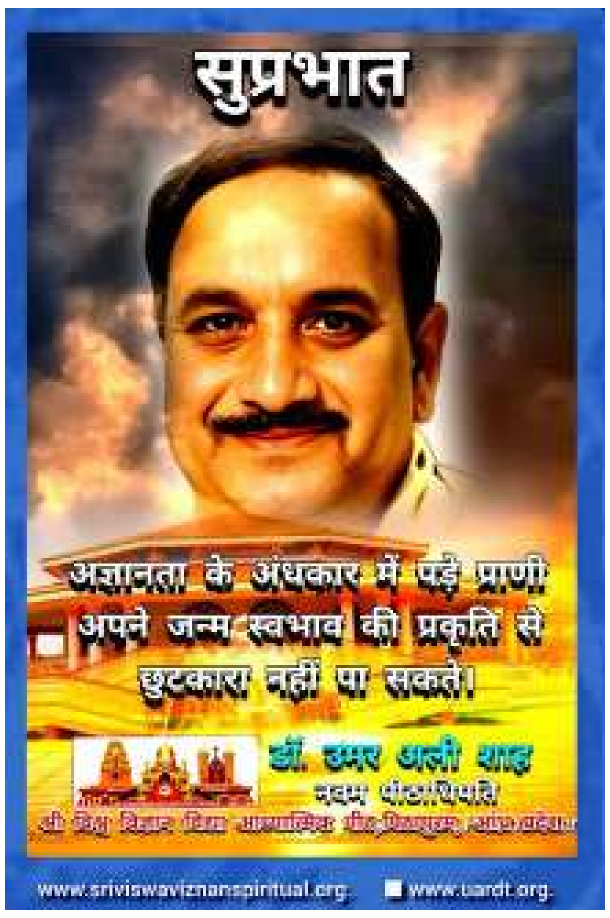

दिवस गरमी के आए

टब में पानी देखकर, खुश हो गए विवान।
चढ़ढी तन पर है नहीं, तनिक न उनको भान।
तनिक न उनको भान,दिवस गरमी के आए।
नानी–नाना का साथ, सुखद पल हरदम छाए।
सुन लो कहें प्रदीप, आग जब दिखती नभ में।
लाता है तब नीर, सुखद पल भीतर टब में।.

पापा जी सुन लीजिये, मम्मी जी दें ध्यान।
टीचर ने समझा दिया, गरमी का विज्ञान।
गरमी का विज्ञान, नहीं पुस्तक अब खोलो।
शिमला–नैनीताल, वादियों में अब डोलो।
सुन लो कहें प्रदीप,न विवु जी खोओ आपा।
पैक करो सामान,साथ जाएँगे पापा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
113ए, लूकरगंज,
प्रयागराज

एम.के. भाटिया व कलाकार आलोक नाथ की बहन विनीता मलिक बने स्टार स्टडेड पुरस्कार समारोह नाइट के मुख्य अतिथि

विलक्षण प्रतिभाओं का सम्मान सराहनीय : विनीता मलिक

चंडीगढ़ , सन्यू फ्लाई ऑर्गनाइजेशन के दिनेश सरदाना के नेतृत्व में रॉयल पार्क रिसॉर्ट, जीरकपुर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में संस्था की पाँचवीं वर्षगांठ और मदर्स डे का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष अवसर पर सुनीता भाटिया फाउंडेशन (स्व. सुनीता भाटिया, एम.के. भाटिया की माता की स्मृति में) और मिटस्कॉर्ट के संयोजक एम.के. भाटिया ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ साथ कलाकार अलोक नाथ की बहन अपदममजं उंसपा ईीप चीफ गेस्ट रहीं। भाटिया ने सभी आयोजकों, मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए "पूरा पूरा" पर आधारित अपना प्रेरक संदेश साझा किया दृ एक समर्पित, संपूर्ण और कृतज्ञ जीवन जीने का दर्शन। उन्होंने कहा, "इस सुंदर जीवन के लिए भगवान का शुक्रिया ,फिर क्यों न मेहनत व लगन से करें सभी कार्य दृ पूरा पूरा। पूरा पूरा।" इस मौके विशिष्ट महमानों में शामिल रहे , नैंसी घुमन , सनम गिल , मंजू बाला ,सतविंदर कौर सोनाली ,जग्गी शैली तनेजा ,ज्योति सहगल मौजूद रहीं।

महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय को बम से उड़ाने की धमकी, कर्मचारियों से कार्यालय कराया गया खाली

लखनऊ, संवाददाता। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक सरकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल भेजकर महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद परिवार कल्याण महानिदेशक ने एहतियातन कार्यालय को खाली कराने का निर्देश दिया। इसके बाद डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कार्यालय को खाली कर दिया है। वहीं, घटना की जानकारी होते ही पुलिस और बम स्क्वॉड दस्ता मौके पर पहुंच गया और छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है। दरअसल, महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय के महानिदेशक की मेल पर सोमवार को कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र भेजा गया था, जिसके बाद पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया। महानिदेशालय में मौजूद सभी डॉक्टर, अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय को छोड़कर बाहर निकल आए, साथ ही महानिदेशक ने धमकी की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और बम स्क्वॉड दस्ते ने पूरे कार्यालय की जांच की।

सम्पादकीय........

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर प्रभाव नहीं

विकास और अर्थव्यवस्था एक–दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। सरकार लगातार देश की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती रही है। दावा किया जाता है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। इसके लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने का उत्साह नीति आयोग शासी परिषद की दसवीं बैठक में भी दिखा। इसमें प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा कि अगर वे टीम इंडिया की तरह काम करें और हर राज्य, हर शहर, हर गांव को विकसित बनाने के लिए काम करें, तो आजादी की सौवीं वर्षगांठ से पहले ही देश को विकसित की श्रेणी में खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने पर्यटन और शहरी विकास पर विशेष बल दिया। इस बैठक का विषय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने पर विचार करना था। यह एक तरह से केंद्र सरकार के विकासोन्मुखी कार्यक्रमों को और गति देने की मंशा के अनुरूप ही है। अक्सर विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के बीच नीतियों का टकराव देखा जाता रहा है, जिसका असर विकास कार्यक्रमों पर पड़ता है। अच्छी बात है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ संबंधों में सहजता लाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि बैठक में किसी प्रकार का वैचारिक विरोध नजर नहीं आया। हालांकि कांग्रेस ने इस बैठक को लोगों का ध्यान भटकाने का सरकार का एक और प्रयास बताया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और तमाम झटकों के बावजूद इसकी रफ्तार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में विकासशील देशों यानी वैश्विक दक्षिण देशों की उम्मीदें इससे और जुड़ती गई हैं। विश्व पटल पर व्यापारिक समझौतों आदि के मामले में भारत ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में अगर केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिल कर विश्व मानकों के अनुरूप अपने शहरों, पर्यटन स्थलों और विनिर्माण योजनाओं पर गंभीरता से काम करें, तो एक मिसाल कायम हो सकती है। मगर असल चुनौती यही है कि केंद्र सरकार किस तरह राज्य सरकारों के साथ सौहार्द और सहयोग का रिश्ता कायम कर पाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तो लगातार केंद्र की नीतियों और बैठकों आदि का विरोध करती रही हैं। इसके अलावा, विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ केंद्र के रिश्ते तनावपूर्ण देखे गए हैं। इसलिए केंद्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह इस तल्खी को दूर करने का प्रयास करे। विकास और अर्थव्यवस्था एक–दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। भारत में यह विरोधाभास गहरा है। एक तरफ विकास दर ऊंची है, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के मामले में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रश्नांकित होती रहती हैं। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में विकास दर संतुलित नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र अब भी हिचकोले खा रहा है। इसकी बड़ी वजह है कि निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा पाटने में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लक्ष्य के मुताबिक आकर्षित नहीं हो पा रहा। ऐसे में अगर केंद्र और राज्य सरकारें समन्वित रूप से काम करें, तो निस्संदेह कामयाबी की उम्मीद बनती है।

नशे के अपराध का अंधेरा, बर्बाद होती नई नस्ल

संजीव ठाकुर

पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है।

देश में लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है। नशीले पदार्थ अपराधिक गतिविधियों के लिए शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन हुआ है। नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है। दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है। पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है। दूसरी तरफ दिल्ली,बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की हैं। वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है। साथ–साथ सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विड़बना बना हुआ है। तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े–बड़े आलीशान होटलों में सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट गए है और शासन तथा पुलिस प्रशासन अपना पूरा ध्यान सूखे नशे को प्रतिबंधित करने में लगे हुए हैं, मूलतः मुंबई गोवा और पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र पंजाब और अन्य राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है। निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए। मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए और तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की जाने लगी और इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है, नए वर्ष के आगमन की सेलिब्रेशन तमाम नशीले पदार्थ की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट गए हैं। देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देशन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े–बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके ,शराब से तो अपराध होते ही हैं पर सूखे नशे से अपराधिक ज्यादा उग्र हिंसक और मस्तिष्क शुन्य हो जाते ऐसे में अपराध करने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, और इस तरह वे नशे में अपराधिक कृत्य करने से नहीं चूकते द्वकेंद्र तथा राज्य प्रशासन की चिंता इस बात के लिए तो है ही कि इससे अपराधों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है पर साथ में इसके तस्करों द्वारा की जा रही ड्रग्स की तस्करी पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से आने वाला ड्रग्स शारीरिक रूप से भी काफी नुकसानदेह होता है अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने का एक राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाकर उसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जितने व्यक्ति नशा करके अपराध करने के लिए दोषी हैं। उससे ज्यादा दोषी नशीले पदार्थों के तस्करी करने वाले भी है, तस्कर समूह को चिन्हित कर उस पर बड़ी कार्रवाई करने की देश को गंभीर आवश्यकता है, देश में शराब जहां ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बुराई है उससे ग्रामीण आमजन को आर्थिक नुकसान के साथ–साथ शारीरिक नुकसान भी बहुत बड़ा होता है, इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में खासकर बड़े शहरों में सुखा नशा एक बडी सामाजिक बीमारी की तरह अत्यंत गंभीर चुनौती बन गई है, इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए तभी इस सामाजिक गंभीर समस्या पर कुछ राहत और निदान मिल सकता है।

गम्भीर मामला, ईडी पर सुको की टिप्पणी

प्रेम शर्मा

कभी सीबीआई तो कभी ईडी पर अजब गजब के अरोप लगते रहे है। ताजा मामला में सुप्रीम कोर्ट ने प्रर्वतन निदेशालय पर जो टिप्पणी की वह एक संवैधानिक संस्था के लिए गम्भीरता का विषय है। लम्बे समय से बार–बार ये बात विपक्ष और एक तबका दोहरा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों को मोदी सरकार विपक्ष को काबू में करने के लिए इस्तेमाल कर रही है। हालाँकि जब देश में यूपीए की सरकार थी तो सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में टिप्पणी की थी कि सीबीआई सरकार का तोता है। केंद्र में बैठी सरकार अपने मातहत काम करने वाली एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कर रही है, यह आरोप नया नहीं है। वैसें देखा जाए तो पिछले कुछ समय सें विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी के मामले चार गुना बढ़े हैं। साल 2014 से 2022 के बीच 121 बड़े राजनेताओं से जुड़े मामलों की जाँच ईडी कर रही है, इनमें से 115 नेता विपक्षी पार्टियों से हैं यानी 95 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। अब इसकी तुलना यूपीए के समय से करें तो 2004 से लेकर 2014 के दस सालों में 26 नेताओं की जाँच ईडी ने की इनमें से 14 नेता विपक्षी पार्टियों के थे। ऐसे में सरकार पर सवाल उठना तो लाजमी है। सीबीआई और प्रर्वतन निदेशालय पर सवाल आज से नही बल्कि लम्बे समय या यू कहे कि यूपीए सरकार के दौर में भी लगते रहे है। पहले इनकी संख्या कम थी लेकिन अब ज्यादा हो गई है। लेकिन एक नया ट्रेंड है प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का बीते दस सालों में पुरजोर इस्तेमाल हुआ। प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज को लेकर कई वर्ष से अंगुलियां उठ रही हैं। विपक्षी दलों सर्वोच्च न्यायालय में धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत उसकी आतार्किक छापेमारियों पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। विपक्ष लगातार कहता रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के इशारों और बदले की भावना से कार्रवाई करता और लोगों को परेशान करने की नीयत से सीखचों के पीछे डाल देता है। मगर शुरू में अदालत ने ईडी की कार्रवाइयों में दखल देने या उन पर रोक लगाने से इसलिए इनकार कर दिया था कि ऐसे मामले भ्रष्टाचार के अलावा आतंकवादी संगठनों को लाभ पहुंचाने से भी जुड़े हो सकते हैं। ताजा मामले में देखा गया कि निदेशालय अनुचित तरीके से और अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करते हुए लोगों को गिरफ्तार और उन्हें बेवजह प्रताड़ित कर रहा है, तो अदालत ने उसे मर्यादा का पाठ पढ़ाया था। फिर भी ईडी के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। तब अदालत ने पूछा कि आपके आरोप–पत्रों की तुलना में दोषसिद्धि इतनी कम क्यों है फिर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में उसे निर्देश दिया कि बिना पुख्ता सबूतों के किसी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल द्य नहीं किए जाने चाहिए। मगर उसका भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सारी हदें लांघ रहा है। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। यह मामला निदेशालय शराब की दुकानों को लाइसेंस जारी करने में अनियमितताओं के आरोप में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच कर रहा था। इस पर टीएएसएमएसी ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी। अदालत ने उस जांच पर रोक लगा दी है। यह पहला मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने किसी जांच पर ही रोक लगा दी है। वह जांच के बाद आरोपपत्र पर बहस के दौरान निदेशालय की खामियों पर फटकार तो अनेक बार लगा चुका है, पर जांच पर रोक किसी भी जांच एजेंसी के लिए बड़ी बात होनी चाहिए। हालांकि इससे भी उस पर कितना असर पड़ेगा, कहना मुश्किल है। कार्रवाई के ममाले में ईडी पर सवाल उठाने के लिए कई आकड़े सामने है जैसे प्रर्वतन निदेशालय यानि ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में चार्जशीट फाइल कर दी थी। ये मामला वर्ष 2012 में अदालत में सुब्रह्मण्यम स्वामी की याचिका के बाद खुला. करीब 13 सालों तक ईडी में जांच करती रही। हालांकि पिछले 10 सालों में ईडी ने हजारों मामले दर्ज किए लेकिन फाइनल चार्जशीट केवल 10 फीसदी मामलों की कर पाई।पिछले 10 वर्षों (2014–2024) में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कुल 5,297 मामले दर्ज किए हैं। इसी अवधि में चार्जशीट (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल करने की औसत दर लगभग 20 प्रतिशत रही यानी हर 5 में एक ही मामले में चार्जशीट दाखिल हुई। 2019 से 2024 के बीच चार्जशीट दाखिल करने की दर 10 प्रतिशत से 34 प्रतिशत के बीच रही है, जिसमें 2024 में सबसे अधिक 34 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, पिछले 10 सालों में लगभग ईडी ने करीब 1,000 से 1,500 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। चौकाने वाला तथ्य 5,297 मामलों में से केवल 43 मामलों में ट्रायल पूरा हुआ है। इन 43 मामलों में 40 मामलों में दोषसिद्धि और 3 में बरी हुई। जिससे दोषसिद्धि दर 93 प्रतिशत दिखती है। हालांकि, कुल मामलों की तुलना में दोषसिद्धि दर बहुत कम है। ज्यादातर मामले केवल विपक्षी दलों के नेताओं या उन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज हुए, जो सरकार के अनुकूल नहीं थे। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के मकसद से ईडी की कार्रवाइयां की गई। दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्री इसके उदाहरण हैं। कई नेताओं को बिना पुख्ता सबूत के जेल भेज दिया गया और लंबे समय तक उनकी जमानत नहीं होने दी गई। जबकि 2016 में बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने नारायण राणे पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया, सोमैया ने प्रवर्तन निदेशालय के तत्कालीन ज्वाइंट डायरेक्टर सत्यव्रत कुमार को एक चिट्ठी लिखकर नारायण राणे और उनके परिवार के बिजनेस की जाँच कराने की मांग की थी। नारायण राणे पर 300 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है। अक्टूबर 2017 में नारायण राणे कांग्रेस से अलग हो गए और उन्होंने महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष पार्टी बनाई और एनडीए के साथ गठबंधन का ऐलान कर दिया। भाजपा सरकार में नारायण राणे मंत्री भी रहें। क्या नारायण राणे के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों की जाँच हुई, केंद्रीय एजेंसियों ने क्या कोई कार्रवाई की? इसका जवाब है––नहीं। जबकि जबकि 22 साल पहले के एक प्रॉपर्टी सौदे की वजह से एनसीपी नेता नवाब मलिक बीते साल से जेल में हैं। इसी तरह असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा का मामला सामने आता है। असम की तरुण गगोई सरकार में सबसे पावरफुल मंत्री रहे हिमंत बिस्वा शर्मा और गोगोई के बीच रिश्ते 2011 के चुनाव के बाद बिगड़ते चले गए, जुलाई 2014 को हिमंत विस्वा शर्मा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया लेकिन तब तक उनका नाम शारदा चिट फंड घोटाले से जुड़ चुका था।

जो कमाया था सब लुट गया

जो कमाया था, सब लुटा गया,
खाली हाथ आया, खाली हाथ गया,

उस जिस्म से, किसको प्रेम था?
दौर–ए–गम, कबका थम गया।

याद रखेगा क्यों मुझको जमाना,
हुश्न' की जुस्तजु मे, मैं ढल गया।

रूह से रूह का, कब होता है मिलन?
आशियाँ' तो मेरा, कबका जल गया।

यह जमाना, नाट्य है इसंजयह,
कल यहां, कल वहाँ, वह गया।

संजय सक्सेना,
प्रयागराज।

तमिलनाडु में बच्चों के शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन

डॉ. ज्ञान पाठक

तमिलनाडु के बच्चे केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और राज्य में सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली इंडिया ब्लॉक सरकार के बीच राजनीतिक टकराव में फंस गये हैं। केंद्र नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत तीन–भाषा फॉर्मूले को लागू करने पर जोर दे रहा है, और राज्य इसे लागू करने से इंकार कर रहा है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जिसमें शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत बच्चों के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 9 मई, 2025 को कहा था कि न्यायालय किसी भी राज्य को एनईपी अपनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। फिर भी, तीन–भाषा फार्मूले के कार्यान्वयन को लागू करने के लिए, केंद्र ने धन जारी करने पर रोक लगा दी है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश में देरी हो रही है। अब, तमिलनाडु ने 2,151 करोड़ रुपये के शिक्षा कोष को रोक रखने के मामले में केंद्र के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। तमिलनाडु ने केंद्र सरकार पर एनईपी 2020 और पीएम श्री स्कूल योजना से केन्द्रीय आवंटन जारी करने को जोड़कर संघीय अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है। राज्य द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है, इस तरह की जबरदस्ती की रणनीति न तो कानूनी रूप से स्वीकार्य है और न ही राज्य के कानून के अनुरूप है, खासकर राज्य द्वारा अपनाये गये दो–भाषा फार्मूले के आलोक में। तमिलनाडु ने 2024–25 के लिए समग्र शिक्षा योजना (एसएसएस) के तहत शिक्षा कोष में 2151 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की है, और साथ में मूल राशि पर 6 प्रतिशत ब्याज की भी। इस प्रकार मुकदमे का कुल दावा 2291.3 करोड़ रुपये है। तमिलनाडु ने अपनी याचिका में कहा है कि एसएसएस के तहत केंद्र द्वारा अपने अनिवार्य हिस्से को रोके रखने से बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई अधिनियम) का कार्यान्वयन बाधित हुआ है और राज्य में 43.94 लाख से अधिक छात्रों, 2.21 लाख शिक्षकों और 32,701 स्कूल कर्मचारियों के संवैधानिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। तमिलनाडु का कहना है कि भारत संघ के शिक्षा मंत्रालय के परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) ने फरवरी 2024 की बैठक में एसएसएस के तहत राज्य के लिए 3,585.99 करोड़ रुपये मंजूर किये थे, जिसमें से 2,151.59 करोड़ रुपये 60.40 लागत–साझाकरण फॉर्मूले के आधार पर केंद्र का हिस्सा था। फिर भी, केंद्र ने एक भी किस्त जारी नहीं की है। राज्य ने आरोप लगाया कि केंद्र ने राज्य द्वारा एनईपी 2020 को पूरी तरह से अपनाने और पीएम श्री स्कूल योजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इंकार करने के कारण किया है। तमिलनाडु में दो भाषा नीति है– तमिल और अंग्रेजी। 1968 से ही यह तमिलनाडु हिंदी थोपने का विरोध करता रहा है, जब राज्य की विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इतना ही नहीं, तमिलनाडु तमिल लर्निंग एक्ट 2006 में कक्षा 1 से 10 तक तमिल की शिक्षा अनिवार्य है। तमिलनाडु यूनिफॉर्म सिस्टम ऑफ स्कूल एजुकेशन एक्ट 2010 नामक एक और अधिनियम है। फिर भी, केंद्र द्वारा एनईपी–2020 को लागू करने के लिए इन कानूनों को कमजोर किया जा रहा है, जो केवल एक नीति और विजन स्टेटमेंट है... जिसमें राज्य पर बाध्यकारी कोई कार्यकारी या विधायी बल नहीं है। तमिलनाडु द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि केंद्र ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़कर सभी राज्यों को समग्र शिक्षा योजना के तहत धन जारी किया है। 9 मई, 2025 को ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एनईपी 2020 को लागू करने के लिए तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल सरकारों को निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया था, यह कहते हुए कि अदालत किसी भी राज्य को इसे अपनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश आर महादेवन की पीठ ने कहा कि, वे तभी हस्तक्षेप करेंगे जब एनईपी 2020 से संबंधित किसी राज्य की कार्रवाई या निष्क्रियता किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती हो। जनहित याचिका तमिलनाडु के एक वकील और भाजपा नेता ने दायर की थी। कुछ दिन पहले ही 16 मई को तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार से एसएसएस के तहत 2151.59 करोड़ रुपये की लंबित बकाया राशि जारी करने का आग्रह किया था, जिसमें आरटीई प्रवेश के लिए 617 करोड़ रुपये भी शामिल थे। राज्य में भाजपा की सहयोगी एआईएडीएमके ने पिछले दो वर्षों से निजी स्कूलों को आरटीई प्रतिपूर्ति निधि में देरी करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना कर रही है, जिसके कारण इस शैक्षणिक वर्ष में आरटीई प्रवेश में देरी हुई है। राज्य सरकार ने परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक के दौरान 2025–26 के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भी सौंपा है, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र द्वारा 2,733.58 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी गयी, जिसमें केंद्र का हिस्सा 2151.59 करोड़ रुपये होगा। तमिलनाडु ने चालू वित्त वर्ष 2025–26 के लिए पहली किस्त जारी करने के साथ–साथ वर्ष 2024–25 के लिए पूरी अनुमोदित धनराशि जारी करने का अनुरोध किया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने 15 मई, 2025 को तमिलनाडु सरकार को निजी स्कूलों में बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने में देरी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया था। ध्यान रहे कि आरटीई अधिनियम 2009 के तहत निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों को भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए प्रवेश स्तर की 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करनी होती हैं और उन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान करनी होती है। मद्रास उच्च न्यायालय में दायर की गयी मरुमलार्चीमक्कलइयक्कम के अध्यक्ष वी ईश्वरन की याचिका में कहा गया है कि आरटीई प्रवेश प्रक्रिया आम तौर पर हर साल 20 मई तक समाप्त हो जाती है। तमिलनाडु के सभी स्कूल 2 जून को फिर से खुलने वाले हैं। हालांकि, तमिलनाडु सरकार ने कानून के अनुसार लाखों गरीब बच्चों के शैक्षिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। तमिलनाडु के स्कूली शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा है कि केंद्र ने तमिलनाडु को शिक्षा के लिए रोके गये फंड को जारी करने पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा, केंद्र को आरटीई फंड जारी करना होगा। ... फंड जारी न करना मानवाधिकारों के खिलाफ काम करने जैसा है।

मां बनने वाली हैं 'कभी खुशी कभी गम' की छोटी पू, पति की पीठ पर लदी मालविका ने हाथ में प्रेग्नेंसी किट लिए शेयर की गुड न्यूज

फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में बचपन की छोटी पू का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मालविका राज ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज दी है। मालविका जल्द ही मां बनने वाली हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक प्यारा सा पोस्ट करते हुए इस बात का ऐलान किया है, जिसके बाद उन्हें लगातार चाहने वालों की बधाइयां मिल रही हैं। मालविका राज ने इंस्टाग्राम पर पति संग पॉजिटिव प्रेग्नेंसी टेस्ट की तस्वीरें शेयर कर प्रेग्नेंसी का खुलासा किया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए मालविका ने लिखा–तुम और मैं= 3 यानी ये कपल अब दो से तीन होने वाला है। तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने पति प्रणव बग्गा की पीठ पर लदी हुई नजर आ रही हैं और हाथ में अपने प्रेग्नेंसी टेस्ट किट दिखा रही हैं। इस दौरान कपल बेहद खुश नजर आ रहा है। वहीं, एक तस्वीर में प्रणव अपनी पत्नी को कहीं खूबसूरत जगह पर हाथ थाम ले जाते नजर आ रहे हैं। दोनों ने अपने सिर पर मॉम और डैड वाली कैप पहनी हैं, जिससे यह पता चल रहा है दोनों मम्मी–पापा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस दौरान कपल का बेहद कूल लुक नजर आ रहा है। दोनों व्हाइट शर्ट पहने ट्विनिंग करते दिखाई दे रहे हैं। उनका यह पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस से लेकर सेलेब्स तक, सभी उन्हें खूब बधाइयां दे रहे हैं। गौरतलब है कि मालविका राज ने नवंबर 2023 में अपने लॉन्ग टाइम कॉलेज फ्रेंड प्रणव बग्गा के साथ शादी रचाई थी। कपल ने गोवा में एक डेस्टिनेशन वेडिंग की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। बचपन में करीना कपूर के किरदार पू की

> मालविका राज ने इंस्टाग्राम पर पति संग पॉजिटिव प्रेग्नेंसी टेस्ट की तस्वीरें शेयर कर प्रेग्नेंसी का खुलासा किया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए मालविका ने लिखा-तुम और मैं= 3 यानी ये कपल अब दो से तीन होने वाला है। तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने पति प्रणव बग्गा की पीठ पर लदी हुई नजर आ रही हैं और हाथ में अपने प्रेग्नेंसी टेस्ट किट दिखा रही हैं।

भूमिका निभाकर चर्चित हुईं मालविका राज को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। उनकी मासूमियत और स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। अब बड़ी होकर वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और अपने निजी पलों को अपने चाहने वालों के साथ शेयर करती रहती हैं।

टीवी डेब्यू करेंगी निशा मधुलिका, अब खाने से जुड़ेंगी कहानियां

स्टार प्लस तो हमेशा से ही हमारे घरों का हिस्सा रहा है, वो कहानियाँ दिखाकर जिनसे हर उम्र के लोग खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे इमोशनल ड्रामा हो या जिंदगी से जुड़ी कोई प्रेरक कहानी। अब चौनल अपनी इस जबरदस्त लाइनअप में एक नया तड़का लगाने जा रहा है। फेमस यूट्यूबर और घर की रसोई में कमाल दिखाने वाली निशा मधुलिका अब टीवी पर कदम रखने जा रही हैं और वो भी स्टार प्लस के साथ! अपने सीधे–साधे तरीके से खाना बनाना सिखाने वाली निशा जी ने यूट्यूब पर 1.2 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर्स का दिल जीता है। उनकी वेजिटेरियन रेसिपीज और अपनापन आज लाखों घरेलू रसोइयों और फूड लवर्स की पहली पसंद बन चुके हैं। अब यही स्वाद और सादगी वो लेकर आ रही हैं छोटे परदे पर,ˋजंत च्सने के प्यारे किरदारों और शोज के बीच। मतलब अब हर दिन होगा खास, जब निशा जी की रसोई से निकलेगी खुशबू स्टर पटना के दिलचस्प कहानियों के साथ। स्टार प्लस का नया प्रोमो लोगों को एक मीठी सी झलक देता है आने वाले मजेदार सफर की। प्रोमो में निशा मधुलिका रसोई में नजर आती हैं, खाना बनाते हुए वो सिर्फ रेसिपी नहीं, बल्कि अपनापन, यादें और जिंदगी के छोटे–छोटे सबक भी परोसती हैं, वो भी अपने खास अंदाज में। उनकी मौजूदगी स्टार प्लस की दुनिया में एकदम फिट बैठती है। वो चौनल के पॉपुलर किरदारों के साथ मिलकर न सिर्फ पकाएंगी, बल्कि दर्शकों को इमोशन, ड्रामा और खाने का तड़का एक साथ देखने को मिलेगा। डिजिटल दुनिया की इस चहेती शेफ का टेलीविजन से ये मिलन एक ताजा और दिलचस्प शुरुआत साबित होने वाला है।

परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' एग्जिट पर वकील ने भेजा जवाब, ट्वीट कर एक्टर बोले–सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे

एक्टर परेश रावल इन दिनों 'हेरा फेरी 3' के विवाद को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। दरअसल, पहले परेश ने इस फिल्म में काम करने के लिए इसे साइन किया था, लेकिन बाद में बीच रास्ते में ही छोड़ दिया। जिसके बाद कहा जा रहा था कि परेश रावल के इस फैसले से अक्षय कुमार काफी हर्ट हुए हैं और उन्हें एक्टर को 25 करोड़ के मुआवजे का नोटिस भेजा है। इसके बाद ये भी खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म से पीछे हटने के लिए ब्याज समेत अमाउंट लौटा दी है। इन सब के बीच अब हाल ही में नया अपडेट सामने आया है। परेश रावल ने हाल ही में एक नया ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा–'मेरे वकील ।उममज छंपा ने मेरे राइटफुल टर्मिनेशन और एग्जिट के बारे में उचित जवाब भेजा है। एक बार जब वे मेरा जवाब पढ़ लेंगे, तो सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे।' यानी परेश रावल ने साफ कर दिया है कि इस मामले में अब वकील भी जुड़ चुके हैं। बता दें, हाल ही में ऐसी भी खबरें सामने आई थीं कि परेश ने 'हेरा फेरी 3' के लिए जो साइनिंग अमाउंट ली थी उसे 15: ब्याज के साथ लौटा दिया है। बताया जा रहा है कि परेश रावल को 11 लाख की साइनिंग अमाउंट दी गई थी। इसके साथ ही उनकी फिल्म की फीस 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, अक्षय कुमार ने परेश रावल के खिलाफ लीगल एक्शन लिया है।

मैने एक ऐसी मां को चुना जो मुझे छोड़.. दिवंगत मां को लेकर ये क्या बोले प्रतीक बब्बर? कहा- ऐसा जीवन दोबारा नहीं जीना चाहता

बॉलीवुड एक्टर प्रतीक स्मिता पाटिल उर्फ प्रतीक बब्बर अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक्टर अक्सर ही अपनी दिवंगत मां स्मिता पाटिल के प्रति प्यार जाहिर करते और उन्हें याद करते नजर आते हैं। अब हाल ही में एक लेटेस्ट इंटरव्यू में प्रतीक ने फिर अपनी मां से खास लगाव के बारे में बात की। एक्टर का कहना है कि वो अपने जीवन के अंत के बाद अपनी मां और दादा–दादी के साथ फिर से मिलना चाहते हैं। प्रतीक बब्बर स्मिता पाटिल और राज बब्बर के बेटे हैं। एक्टर बहुत छोटे थे जब उनकी मां व एक्ट्रेस स्मिता पाटिल का निधन हो गया था। ऐसे में उन्हें अपनी मां का प्यार नहीं मिल पाया और वो उन्हें याद कर भावुक हो जाते हैं। हाल ही में प्रतीक ने वरिंदर चावला के त्वनन्जइम चौनल पर पोस्ट किए गए एक इंटरव्यू में अपने संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में बात की। एक्टर ने कहा, ठीक है, मैंने यह जीवन और यह लड़ाई चुनी है। मैंने एक ऐसी मां को चुना जो मुझे छोड़ देगी और ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं ये कठिनाइयां चाहता था। मैं उन कठिनाइयों को इसलिए चाहता था क्योंकि मैंने कई जन्मों में गलतियां की हैं। उन्होंने कहा, यह वह जीवन हो सकता है जिसके लिए मैंने अपनी मां को चुना है। यहां आने से पहले, हमने एक सौदा किया था कि हम इस जीवन को एक साथ जीएंगे, लेकिन सौदा यह था कि श्नहीं, तुम मरो, मैं सफर करूंगा। मैं इन कठिनाइयों से केवल इसलिए जूझ रहा हूं क्योंकि मैं यहां फिर से वापस नहीं आना चाहता। हम ऐसा दोबारा नहीं करना चाहते, इसलिए मुझे लगता है कि मैं इस जीवनकाल में अपने कर्मा साफ कर रहा हूं। प्रतीक ने आगे कहा कि अपने अगले जन्म में, मैं बस अपनी मां और दादा–दादी के साथ पार्टी करना चाहता हूं। मुझे पता है कि मेरी मां और मेरे दादा–दादी इस जीवन के अंत में मेरा इंतजार कर रहे हैं। बता दें, प्रतीक बब्बर ने 14 फरवरी 2025 को अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड प्रिया बनर्जी से शादी रचाई थी। हालांकि, अपनी शादी में उन्होंने पिता राज बब्बर और परिवार को नहीं बुलाया था, जिसे लेकर वो काफी चर्चा में रहे थे।

क्या किसी मुश्किल में फंसे डिनो मोरिया? मीठी नदी स्कैम मामले में मुंबई पुलिस के सामने हुए पेश

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सोमवार को 65 करोड़ रुपये के मीठी नदी सफाई घोटाले में अभिनेता डिनो मोरिया से पूछताछ की। जांच के दौरान उनका नाम सामने आने के बाद अभिनेता को तलब किया गया था। उनसे मुंबई पुलिस मुख्यालय में ईओडब्ल्यू कार्यालय में पूछताछ की गई। यह मामला मीठी नदी की सफाई के लिए मूल रूप से आवंटित 65 करोड़ रुपये से अधिक के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है।

मीठी नदी घोटाले में डिनो मोरिया से पूछताछ

मीठी नदी घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया सोमवार सुबह मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मोरिया आज सुबह करीब 11 बजे पूछताछ के लिए ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचे। ईओडब्ल्यू सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने उनके, उनके भाई और मुख्य आरोपी केतन कदम के बीच कई फोन पर बातचीत पाए जाने के बाद मोरिया को तलब किया गया। इस बातचीत की प्रकृति और संदर्भ की फिलहाल जांच की जा रही है।

घोटाले के बारे में

इस घोटाले में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा गाद निकालने वाली मशीनों और ड्रेजिंग उपकरणों के किराये में कथित वित्तीय अनियमितताएं शामिल हैं। ईओडब्ल्यू का आरोप है कि कदम और सह–आरोपी जय जोशी ने कोच्चि स्थित फर्म मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से खरीदी गई मशीनरी के लिए नगर निगम से अत्यधिक बढ़ी हुई दरें वसूलीं। जांचकर्ताओं का मानना छ्है कि यह मैटप्रॉप के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वाटर ड्रेन (एसडब्ल्यूडी) विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से किया गया था।

डीनो मोरिया का नाम आरोपी से जुड़े कॉल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन के विश्लेषण के दौरान सामने आया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभिनेता से पूछताछ उनकी संभावित भूमिका या कदम और अन्य पक्षों के बीच लेन–देन के बारे में उनकी जानकारी को सत्यापित करने के प्रयास का हिस्सा है। आगे की जांच चल रही है।

स्क्रीन की थकान को कम करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके, आंखों की रोशनी पर नहीं पड़ेगा असर

आज के समय में लगभग हर कोई स्क्रीन पर घंटों समय बिताता है। यह तो वह लैपटॉप आदि पर काम किया करते हैं, या फिर अपने फोन पर स्कॉल करते हैं या अपनी पसंदीदा सीरीज देखते हैं। आजकल स्क्रीन पर अधिक समय बिताना रोजमर्रा का हिस्सा बन गया है। जोकि स्क्रीन थकान की समस्या बन सकता है। यह एक ऐसी आधुनिक असुविधा है, जिसकी वजह से सिरदर्द, तनाव, मानसिक थकान और ब्लर्रेड विजन होती है। लेकिन आप कुछ आसान तरीकों को अपनाकर स्क्रीन थकान को कम कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता सकते हैं कि स्क्रीन थकान कम करने के लिए आप किन–किन तरीकों को अपना सकते हैं।

जानिए क्या है स्क्रीन थकान

स्क्रीन थकान को कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के नाम से भी जाना जाता है। यह टेक इंडस्ट्री में एक आम समस्या है। यह सिंड्रोम तब होता है, जब लंबे समय तक स्क्रीन के इस्तेमाल से आंख के अंदर और इसके आसपास की मांसपेशियां तनावग्रस्त व कमजोर हो जाती है। वहीं यह समस्या उन लोगों को प्रभावित कर सकती है, तो चश्मा और कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं। हालांकि स्क्रीन थकान खराब रोशनी, स्क्रीन की चमक, खराब मुद्रा और खराब एर्गोनोमिक सेटअप आदि से हो सकती है।

20–20–20 नियम

इस नियम का मतलब है कि हर 20 मिनट में स्क्रीन पर नजरें गड़ाएं, तो 20 सेकेंड ब्रेक लें और फिर 20 फीट दूर किसी चीज को देखें। यह एक्सरसाइज मांसपेशियों को आराम देने में सहायता करता है, जिससे कि लोग ठीक हो सकें और अपने काम पर फोकस कर सकें।

अच्छी नींद लेना जरूरी

बता दें कि आंखों और दिमाग को आराम देना बहुतजरूरी होता है। इसलिए रोजाना सोने से 1–2 घंटे पहले स्क्रीन बंद कर दें। वहीं शाम को डिवाइस को डार्क मोड पर सेट कर दें, जिससे कि तेज रोशनी आंखों में न चुभें। वहीं अगर आप रात में वीडियो स्ट्रीमिंग आदि के आदि हैं, तो इसकी जगह आप पॉडकास्ट या ऑडियोबुक सुनने का प्रयास करें।

डेस्क सेटअप भी बदलें

कुछ लोगों का मानना होता है कि बड़े आकार के कंप्यूटर मॉनिटर का इस्तेमाल करने से आंखों की थकान कम होती है। वहीं मॉनिटर, लैपटॉप या फिर पर भी आपको फॉन्ट का आकार बड़ा करके इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं अगर आपके पास यह ऑप्शन नहीं है, तो आप रीडिंग मोड चालू करें और फिर फॉन्ट का साइज बढ़ाएं।

बॉडी में जमे टॉक्सिन्स को बाहर निकाल देंगे ये हेल्दी ड्रिंक्स, डाइट में जरूर करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग होता है। यह हमारे शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम करता है। लिवर को स्वस्थ रखने और उसे डिटॉक्स करने के लिए हेल्दी चीजों का सेवन करना जरूरी होता है। ऐसे में अगर लिवर हेल्दी रहता है तो कई बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है। लिवर डिटॉक्सिफिकेशन, मेटाबॉलिज्म और पाचन तंत्र का मुख्य अंग है। ऐसे में आप अपने लिवर को हेल्दी रखने और डिटॉक्स करने के लिए अपनी डाइट में कुछ हेल्दी ड्रिंक्स को शामिल कर सकते हैं। यह हेल्दी ड्रिंक्स लिवर को नेचुरल रूप से हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन ड्रिंक्स को पीने से लिवर हेल्दी रहता है।

नींबू पानी

बता दें कि नींबू में विटामिनी सी और एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है। जोकि लिवर को डिटॉक्स करने का काम करता है। यह हमारी बॉडी से एक्स्ट्रा टॉक्सिन्स बाहर निकालने में सहायता करता है। ऐसे में आप एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू का रस मिलाकर सुबह खाली पेट सेवन करें।

ऑरेंज जूस

संतरे में भी विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह लिवर के एंजाइम को एक्टिव करने के साथ बॉडी में जमे हानिकारक पदार्थ को बाहर निकालता है। इसके लिए आपको ताजे संतरे के जूस को बिना चीनी के पिएं। क्योंकि शुगर आपके स्वास्थय को नुकसान पहुंचा सकता है। आप दिन में एक बार इसका सेवन कर सकते हैं।

हल्दी दूध

हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है, जोकि लिवर की सूजन को कम करने में सहायता करता है। साथ ही हल्दी शरीर के नेचुरल डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस को बढ़ाता है। इसके लिए एक गिलास गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पिएं। आप इसको सुबह या रात को सोने से पहले पी सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो लिवर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है। हालांकि इसका सही मात्रा में सेवन करना चाहिए। जिससे कि यह आपको किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचा सके। आप रोजाना सुबह खाली पेट एक कप ग्रीन टी पी सकते हैं। इसमें अल्फा–लिपोइक एसिड पाया जाता है, जो लिवर के एंजाइम को सुधारता है।

खीरे का जूस

खीरे में पानी की अधिक मात्रा होती है और यह लिवर को हाइड्रेट रखता है। यह लिवर को साथ करने के साथ ही शरीर से टॉक्सिन्स को भी बाहर निकालता है।

गुब्बारे जैसा पेट हो जाएगा सपाट, बस रोजाना खाएं ये छोटा काला बीज, जानें कैसे करें सेवन

क्या आपका पेट थोड़ी सी भी चीज खाने के बाद गुब्बारे की तरह फूल जाता है? ऑफिस में बैठे–बैठे, टीवी देखते समय या चाय के साथ स्नैक लेते वक्त पेट में भारीपन, गैस और सूजन होने लगती है? अगर हां, तो आपके लिए एक बेहद आसान, घरेलू और सस्ता उपाय है। काला तिल यानी ब्लैक सीड। ये छोटा सा बीज दिखने में तो मामूली लगता है, लेकिन इसके फायदे इतने जबरदस्त हैं कि बिना किसी एक्सरसाइज और सप्लीमेंट के भी आपका पेट धीरे–धीरे सपाट हो सकता है।

पेट की चर्बी कैसे घटाता है काला तिल?

डाइजेशन को बेहतर बनाता है

काले तिल में घुलनशील के फाइबर मौजूद होते हैं, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में बेहद सहायक होते हैं। जब आप इसे रोजाना खाते हैं, तो यह आंतों की सफाई करने में मदद करता है और मल को आसानी से बाहर निकालने में सहायक होता है। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है और पेट हमेशा हल्का महसूस होता है। गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए काले तिल का सेवन एक सरल और असरदार उपाय है।

मेटाबॉलिज्म को तेज करता है

काले तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स जैसे ओमेगा–6 फैटी एसिड्स, शरीर की चयापचय प्रक्रिया को तेज करते हैं। जब मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, तो शरीर अधिक ऊर्जा जलाता है और जमा चर्बी को तेजी से उपयोग में लाता है। यही कारण है कि काले तिल का सेवन पेट की चर्बी घटाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बेहद कारगर हो सकता है जो ज्यादा फिजिकल एक्टिव नहीं हैं लेकिन फिर भी वजन घटाना चाहते हैं।

डिटॉक्स में मददगार

काला तिल एक नेचुरल डिटॉक्स एजेंट की तरह काम करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। जब शरीर के अंदर जमा गंदगी साफ होती है, तो त्वचा निखरती है, पेट अंदर जाता है और शरीर अधिक एनर्जेटिक महसूस करता है। डेली डाइट में काला तिल शामिल करने से लीवर भी बेहतर तरीके से काम करता है।

सूजन और गैस से राहत

जो लोग अक्सर पेट फूलने, भारीपन और गैस की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए काला तिल एक रामबाण इलाज साबित हो सकता है। इसके सेवन से पेट की आंतों में बनने वाली अतिरिक्त गैस कम होती है और सूजन से राहत मिलती है। साथ ही, यह आपके पेट को अंदर से ठंडक देने का भी काम करता है, जिससे खाना अच्छे से पचता है और भारीपन नहीं होता।

काले तिल का सेवन कैसे करें?

खाली पेट खाएं भुना हुआ तिलः सुबह उठते ही 1 छोटा चम्मच भुना हुआ काला तिल चबाकर खाएं और उसके ऊपर थोड़ा गुनगुना पानी पी लें। इससे पाचन क्रिया एक्टिव होती है और दिनभर पेट हल्का महसूस होता है।

तिल का पानी पिएं: रात में 1 चम्मच काले तिल को आधा गिलास पानी में भिगो दें। सुबह उठकर इस पानी को छान लें और खाली पेट पी जाएं। ये तरीका शरीर को डिटॉक्स करता है और ब्लोटिंग को दूर करता है।

शहद के साथ सेवन करें: 1 चम्मच काले तिल को पीसकर उसमें आधा चम्मच शुद्ध शहद मिलाएं और सुबह नाश्ते से पहले खाएं। इससे पाचन शक्ति बढ़ती है और पेट की चर्बी पर असर दिखना शुरू हो जाता है।

ध्यान रखें

काले तिल की तासीर गर्म होती है, इसलिए शुरुआत में इसकी कम मात्रा लें और शरीर की प्रतिक्रिया देखें। अगर शरीर में गर्मी बढ़ने लगे तो सेवन रोक दें या मात्रा कम करें। गर्भवती महिलाएं या जो लोग दवाइयां ले रहे हैं, वे इसका सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के नाम पर हजारों रुपये के सप्लीमेंट्स और डाइट प्लान्स अपनाने से पहले एक बार इस घरेलू नुस्खे को आजमाएं। ये छोटा सा काला बीज काला तिल, आपकी सेहत और पेट को वापस फिट करने में आपकी मदद कर सकता है।

पिछले 30 वर्षों में तेजी से लोगों को हो रहा स्किन कैंसर, महिलाओं के मुकाबले पुरुषों को ज्यादा खतरा

एक अध्ययन के अनुसार, पिछले तीन दशकों में त्वचा कैंसर के मामलों में विशेष रूप से वृद्धों में भारी वृद्धि हुई है। चीन में चोंगकिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी के फर्स्ट एफिलिएटेड हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने बढ़ती जनसंख्या को उम्र बढ़ने के अलावा इस वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अध्ययन में उच्च सामाजिक–जनसांख्यिकी सूचकांक (एसडीआई) स्तर वाले देशों में त्वचा कैंसर के असमान रूप से अधिक बोझ का भी हवाला दिया गया है।

पुरुषों का ज्यादा खतरा

जेएएमए डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित शोधपत्र में टीम ने कहा–वृद्ध आबादी (विशेष रूप से पुरुष व्यक्ति और उच्च–एसडीआई देशों में रहने वाले लोग) त्वचा कैंसर के बढ़ते बोझ का सामना कर रहे हैं। अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों में 2021 में दर्ज किए गए लगभग 4.4 मिलियन नए त्वचा–कैंसर के मामलों – मेलेनोमा, स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और बेसल सेल कार्सिनोमा का विश्लेषण किया। डेटा 204 देशों और क्षेत्रों को कवर करते हुए ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज 2021 पर आधारित है।

त्वचा कैंसर में वृद्धि के मुख्य कारण

सूरज की यूवी किरणों के प्रति अत्यधिक एक्सपोजररू अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं। बिना सनस्क्रीन या सुरक्षा के धूप में ज्यादा समय बिताना मुख्य कारण है।

ओजोन परत में क्षरणः ओजोन परत सूरज की हानिकारक यूवी–बी किरणों से सुरक्षा करती है। इस परत के पतला होने से यूवी किरणें ज़्यादा सीधे धरती तक पहुंच रही हैं।

टैनिंग बेड का उपयोगः कृत्रिम टैनिंग से भी यूवी एक्सपोजर होता है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाता है।

लाइफस्टाइल में बदलावः लोग अब अधिक समय बाहर बिताते हैं (ट्रेवल, बीच वेकेशन, आउटडोर स्पोर्ट्स) जिससे यूवी एक्सपोजर बढ़ता है।

स्किन की देखभाल में लापरवाहीः सनस्क्रीन का सही तरीके से या नियमित इस्तेमाल न करना। त्वचा की असामान्य गांठों, धब्बों को नजरअंदाज करना।

त्वचा कैंसर से बचाव कैसे करें?

–एसपीएफ 30 या उससे अधिक वाला ब्रॉड स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन इस्तेमाल करें।

–हर 2–3 घंटे में दोबारा लगाएं, खासकर पसीने या तैराकी के बाद।

–सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक सूरज की सीधी रोशनी से बचें।

– छाता, हैट और न्ट प्रोटेक्शन वाले कपड़े पहनें।

–कृत्रिम टैनिंग से दूरी बनाकर रखें।

–संतुलित खान–पान और इम्यून सिस्टम मजबूत रखें"

–विटामिन सी, ए और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर भोजन त्वचा की सुरक्षा में मदद करता है।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग–अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300–800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200–400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300–500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200–500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में 40 पैसे की बढ़त के साथ 85.05 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के दम पर रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 40 पैसे मजबूत होकर 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के वित्त वर्ष 2024–25 के लिए सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा से भी स्थानीय मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.02 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 84.98 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 85.05 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 40 पैसे की तेज बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.67 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 630.68 अंक चढ़कर 82,351.76 अंक पर जबकि निफ्टी 187 अंक की बढ़त के साथ 25,040.15 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.99 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,794.59 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। गौरतलब है कि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपये के लाभांश की घोषणा की है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी नवीनतम साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 16 मई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.888 अरब डॉलर घटकर 685.729 अरब डॉलर रह गया।

जेपी मॉर्गन ने उभरते बाजारों पर जताया भरोसा, भारत को निवेश के लिए बेहतर देशों में किया गया शामिल

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश कंपनी जेपी मॉर्गन ने भारत को निवेश के लिए सबसे अच्छे देशों में से एक माना है। जेपी मॉर्गन ने उभरते बाजारों (म्ड) के प्रति अपना दृष्टिकोण सकारात्मक करते हुए उन्हें ‘ओवरवेट’ रेटिंग दी है यानी निवेश के लिए बेहतर माना गया है । इसमें भारत सहित फिलीपींस, ब्राजील, चिली, ग्रीस, पोलैंड और यूएई में शामिल है। इसके अलावा चिली और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

उभरते बाजारों में 2ः की वृद्धि हुई

रिपोर्ट के अनुसार, उभरते बाजारों ने 2021 से अब तक विकसित बाजारों की तुलना में 40ः कम प्रदर्शन किया है। हालांकि अब हालात बदल रहे हैं और इसे देखते हुए नजरिया भी बदला है। 2025 में अब तक उभरते बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। चीन को छोड़कर दूसरे उभरते बाजारों में साल दर साल 2ः की वृद्धि हुई है।

अमेरिका–चीन के बीच व्यापारिक तनाव से उभरते बाजारों को फायदा

अमेरिका की चीन पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ के बाद से चीनी शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। एक हफ्ते से भी कम समय में 13ः की गिरावट आई। हालांकि, चीन ने अमेरिका के साथ 90–दिवसीय अस्थायी व्यापार समझौते के बाद ज्यादातर नुकसान की भरपाई कर ली। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने टैरिफ में 115ः कटौती की। फिलहाल अमेरिका, चीनी सामानों पर 30ः टैरिफ लगा रहा है। वहीं चीन, अमेरिकी सामानों पर 10ः टैरिफ लगा रहा है।

टैरिफ पर अमेरिकी रुख से उभरते बाजारों में होगा बेहतर कारोबार

जेपी मॉर्गन का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते पर 90 दिनों में सुलह होने वाली नहीं है। यदि 90 दिनों के बाद अमेरिका आक्रामक रुख अपनाता है तो उभरते बाजारों में बेहतर कारोबार होगा। रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रदर्शन की बात करें तो खनन क्षेत्र ने इस अवधि के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है। उभरते बाजारों को खनन क्षेत्र से अतिरिक्त सहारा मिल सकता है।

बंपर लाभांश से राजकोषीय हालात बेहतर करने में मिलेगी मदद; 70000 करोड़ अतिरिक्त खर्च कर सकेगी सरकार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2.69 लाख करोड़ रुपये के बंपर लाभांश से सरकार की राजकोषीय स्थिति बेहतर हो सकेगी। साथ ही, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में वृद्धि को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। एसबीआई ने इकोरैप रिपोर्ट में कहा, हमारा अनुमान है कि बंपर लाभांश से राजकोषीय घाटा बजट स्तर से 0.2 फीसदी कम होकर जीडीपी का 4.2 फीसदी रहेगा। यह वैकल्पिक रूप से करीब 70,000 करोड़ के अतिरिक्त खर्च का रास्ता भी खोलेगा, जबकि अन्य चीजों में कोई बदलाव नहीं होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025–26 के बजट में 2.56 लाख करोड़ का लाभांश मिलने का अनुमान लगाया था।

आरबीआईविदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिशेष भुगतान मजबूत सकल डॉलर की बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि की वजह से है। आरबीआई जनवरी में एशिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता था। सितंबर, 2024 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर के शिखर पर पहुंच गया था।

सनराइजर्स हैदराबाद ने छठी जीत के साथ किया सत्र का समापन, गत विजेता कोलकाता को सातवीं शिकस्त मिली

नई दिल्ली। ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 110 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ हैदराबाद ने सत्र का समापन किया। रविवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए। इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 278 रन बनाए। यह आईपीएल का तीसरा सर्वोच्च स्कोर है। जवाब में कोलकाता 18.4 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई। सनराइजर्स के लिए जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और हर्ष दुबे ने तीन–तीन विकेट झटके।

हैदराबाद ने दर्ज की अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत

आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स का इस मुकाबले के साथ सफर समाप्त हो गया। हैदराबाद 14 में से छह जीत और सात मैचों में हार के साथ छठे पायदान पर रही। वहीं, केकेआर पांच जीत और सात हार के साथ आठवें स्थान पर रही। हैदराबाद ने केकेआर को 110 रनों से हराकर अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले टीम ने 2019 में आरसीबी को हैदराबाद में 118 रनों के अंतर से हराया था।

कोलकाता पर हावी रहे हैदराबाद के गेंदबाज

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता के बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। उनके लिए मनीष पांडे ने सर्वाधिक 37 रनों की पारी खेली। इसके अलावा हर्षित राणा 34 और सुनील नरेन 31 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, क्विंटन डिकॉक (9), अजिंक्य रहाणे (15) रिंकू सिंह (9) और आंद्रे रसेल (0) जैसे बल्लेबाज हैदराबाद के गेंदबाजों के आगे पस्त दिखे। इस मुकाबले में रमनदीप सिंह ने 13 रन बनाए जबकि वैभव अरोड़ा खाता भी नहीं खोल पाए। वहीं, एनरिक नॉर्जे खाता खोले बिना नाबाद रहे।

हैदराबाद की पारी

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 278 रन बनाए। उनके लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज क्लासेन ने सर्वाधिक 105 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं, ट्रेविस हेड 40 गेंदों में 76 रन बनाकर आउट हुए। केकेआर के लिए सुनील नरेन ने दो और वैभव अरोड़ा ने एक विकेट झटका। इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने सनराइजर्स हैदराबाद को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी हुई। सुनील नरेन ने अभिषेक को अपना शिकार बनाया। वह 16 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नरेन ने ट्रेविस हेड को पवेलियन की राह दिखाई। वह छह चौके और इतने ही छक्के की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 26 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। कोलकाता के खिलाफ खेले जा रहे इस मुकाबले में हेनरिक क्लासेन अलग रंग में नजर आए। उन्होंने महज 37 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने यूसुफ पठान की बराबरी कर ली, जिन्होंने 2010 में 37 गेंदों में शतक लगाया था। इस शानदार पारी की बदौलत हैदराबाद ने आईपीएल के इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बना लिया। इससे पहले टीम ने राजस्थान के खिलाफ लीग चरण के अपने पहले मुकाबले में छह विकेट खोकर 286 रन बनाए थे। इस मैच में ईशान किशन ने 29 रन बनाए जबकि अनिकेत वर्मा 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

एमएस धोनी ने रिटायरमेंट को लेकर फैंस को दुविधा में डाला, रांची में ये काम करेंगे फिर लेंगे फैसला

एमएस धोनी ने आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर फैंस को दुविधा में डाल दिया है। उन्होंने स्पष्टत तौर पर नहीं बताया कि वह अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं। 43 वर्षीय धोनी ने कहा कि अगर खिलाड़ी परफॉर्मेंस के आधार पर संन्यास लेने लगेंगे तो कइयों का करियर 22 साल की उम्र में समाप्त हो जाएगा। सीएसके का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई अंक तालिका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर रही। हालांकि, सीएसके ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच में विजयी परचम फहराया। चेन्नई ने रविवार को गुजरात के खिलाफ 230/5 का स्कोर बनाने के बाद 83 रनों से जीत हासिल की। सीएसके ने 14 मैचों से केवल चार जीते। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण सिर्फ पांच मैच ही खेल सके। ऐसे में धोनी को चेन्नई की दोबारा कमान संभाली पड़ी थी। कप्तान धोनी ने जीटी को धूल चटाने के बाद कहा कि, हमारा सीजन अच्छा नहीं गया लेकिन जीत के साथ खत्म करना अच्छा रहा। ये गेंदबाजी और बल्लेबाजी विभाग का सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक था। इस सीजन हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही लेकिन आज हमने कई अच्छे पकड़े। वहीं धोनी से जब सवाल किया गया कि वह अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं तो उन्होंने कहा कि मेरे पास फैसला करने के लिए 4–5 महीने हैं। ये तय करने की कोई जल्दी नहीं है कि क्या करने की जरूरत है। हर साल शरीर को फिट रखने के लिए ज्यादा एफर्ट मारना पड़ता है। आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। ये शीर्ष स्तर का क्रिकेट है। ये पेशेवर क्रिकेट है। यहां हमेसा परफॉर्मेंस ही नहीं होती, जिसे आप गिन सकें। अगर क्रिकेट अपनी परफॉर्मेंस के कारण रिटायर होना शुरु कर देंगे तब तो कुछ 22 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे।

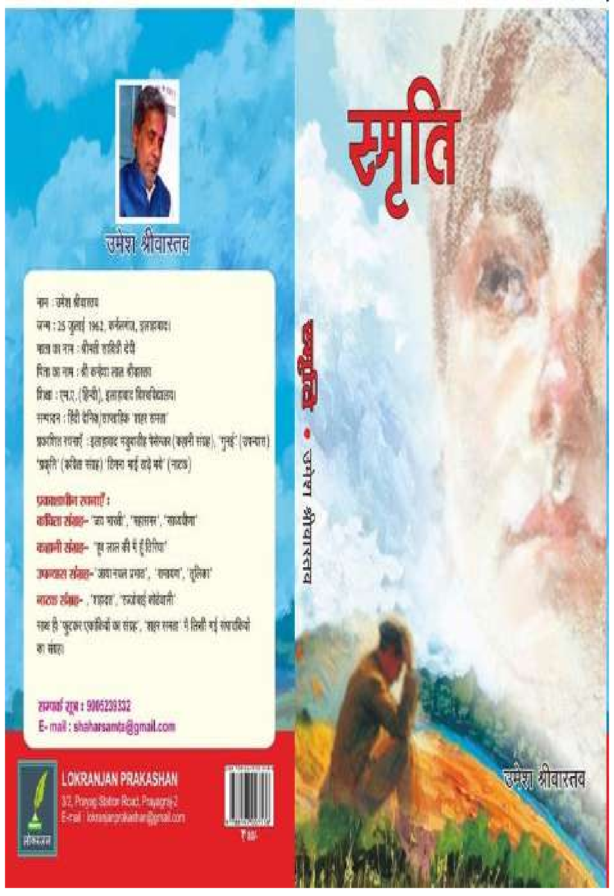

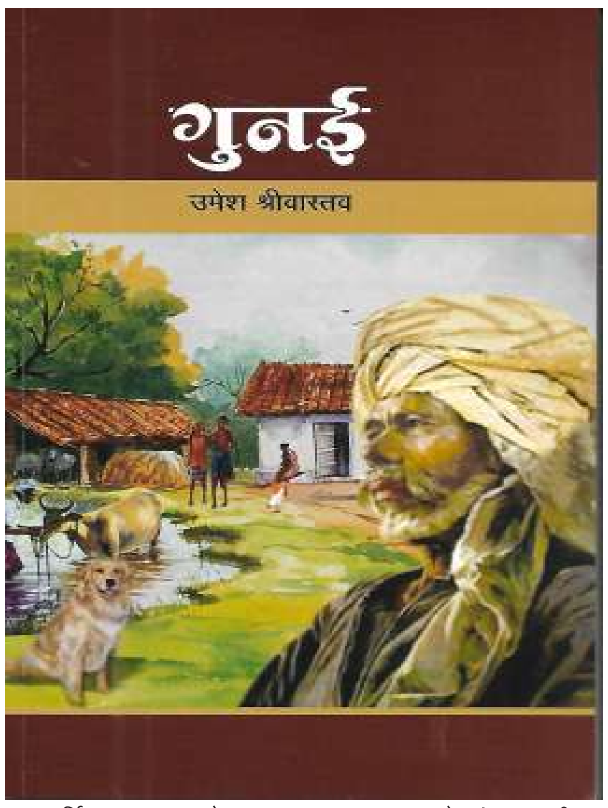

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

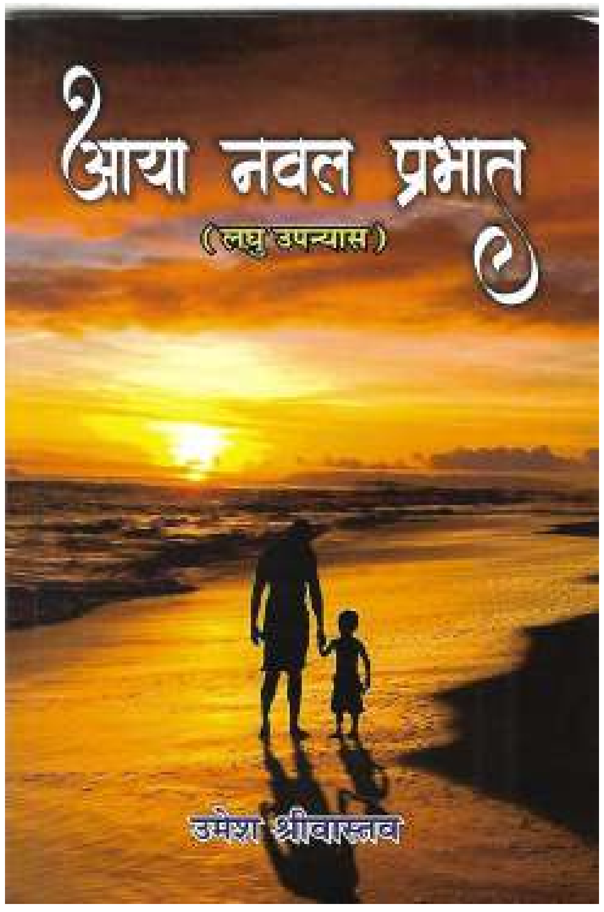

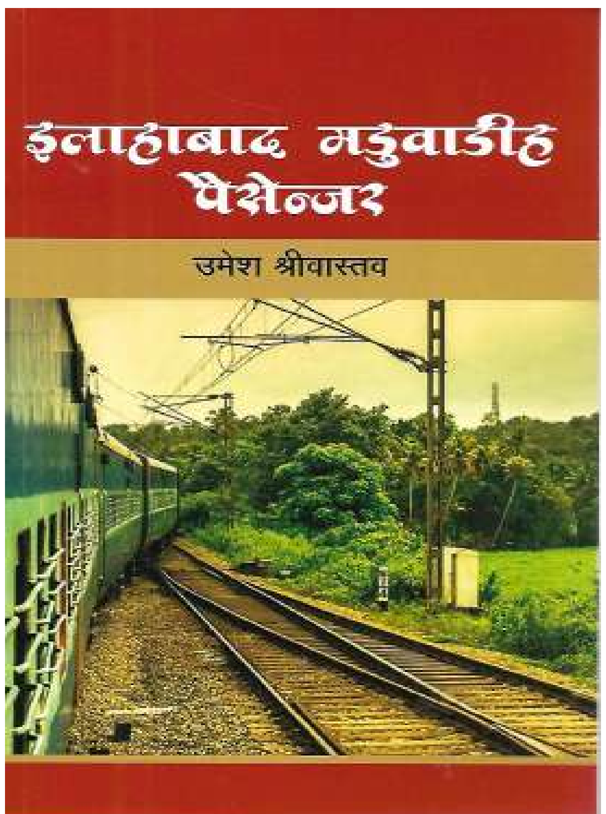

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

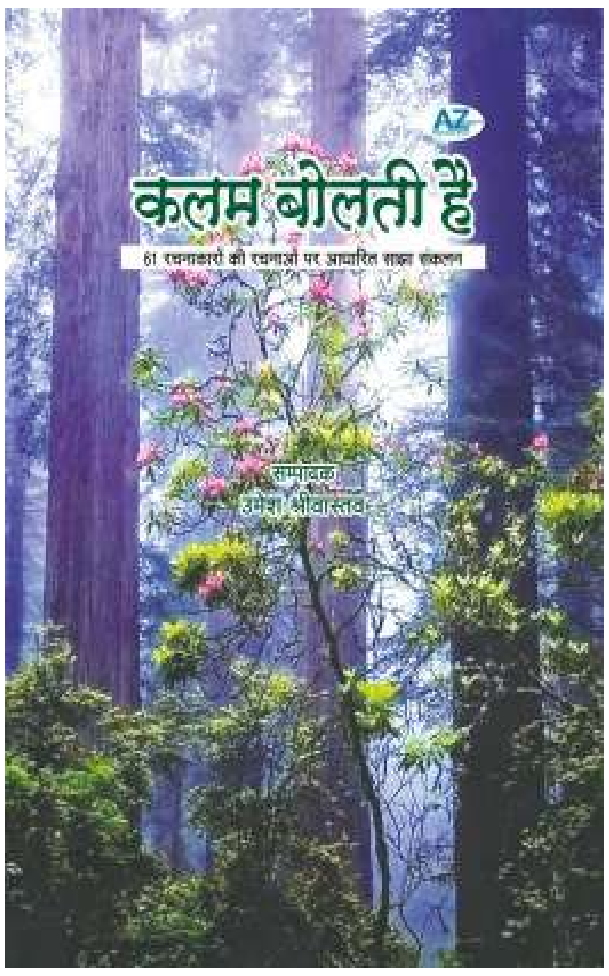

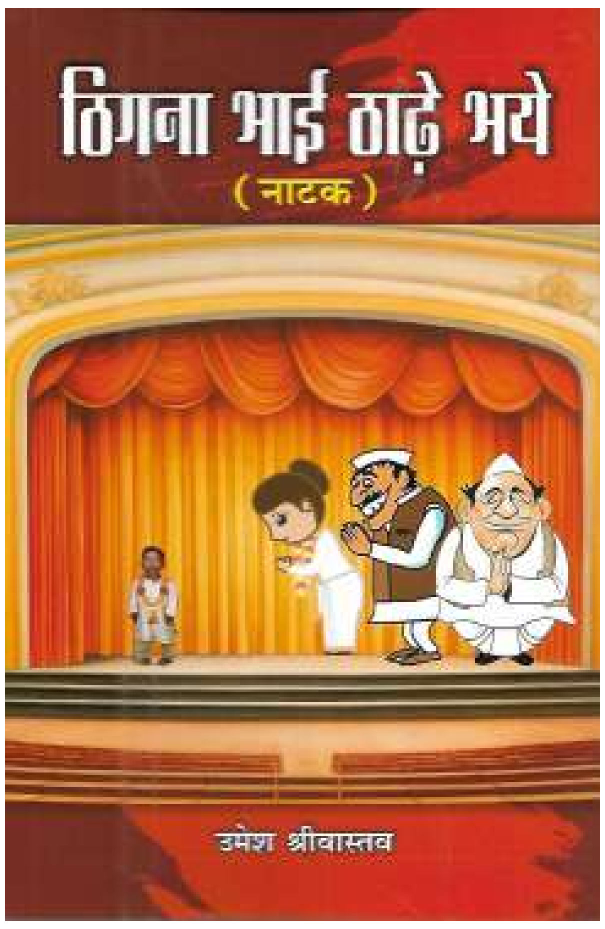

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका में फिर ताबड़तोड़ गोलीबारी, साउथ कैरोलिना में 11 लोग जख्मी

साउथ कैरोलिना के समुद्र तट शहर लिटिल रिवर में रविवार रात (स्थानीय समय) हुई गोलीबारी के बाद कम से कम 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। होरी काउंटी पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, मर्टल बीच से लगभग 20 मील (32 किलोमीटर) उत्तर–पूर्व में लिटिल रिवर में गोलीबारी की घटना रविवार रात लगभग 9रू30 बजे हुई। होरी काउंटी पुलिस विभाग ने अभी तक लिटिल रिवर शूटिंग में घायल हुए व्यक्तियों की स्थिति का

खुलासा नहीं किया है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पुलिस अपडेट के अनुसार, जांचकर्ताओं को निजी वाहनों के माध्यम से अस्पतालों में अतिरिक्त पीड़ितों के पहुंचने की रिपोर्ट मिल रही थी। गोलीबारी के लगभग 90 मिनट बाद, पुलिस ने इसे एक अलग घटना बताया और पुष्टि की कि समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, संभावित संदिग्धों या हिंसा के पीछे के मकसद के बारे में अभी तक कोई जानकारी जारी नहीं की गई है। यह गोलीबारी इंट्राकोस्टल वाटरवे के पास एक मुख्य रूप से आवासीय सड़क पर हुई, जहाँ कुछ नौका विहार व्यवसाय भी हैं। घटनास्थल से वीडियो फुटेज में एक बड़ी आपातकालीन प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें कई पुलिस कारें और एम्बुलेंस क्षेत्र में आती–जाती रहीं। जांच अभी भी जारी है।

पूरा पागल हो गया है...पुतिन पर भड़के ट्रंप, कहा– बर्बाद हो जाएगा रूस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पूरी तरह पागल करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि व्लादिमीर पुतिन पूरे यूक्रेन को जीतने का प्रयास करते हैं, तो यह रूस के पतन का कारण बनेगा। ट्रुथ सोशल पर कड़े शब्दों में लिखे गए एक पोस्ट में ट्रम्प ने स्पष्ट कर दिया कि पुतिन के प्रति उनका धैर्य खत्म हो रहा है। उन्होंने

रूसी नेता की तीखी आलोचना की है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मेरे हमेशा से बहुत अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ ऐसा हो गया है! वह बिल्कुल पागल हो गए हैं! वह बेवजह बहुत से लोगों की हत्या कर रहे हैं और मैं सिर्फ सैनिकों की बात नहीं कर रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर पुतिन पूरे यूक्रेन पर कब्ज़ा करना चाहते हैं, तो इससे रूस का पतन हो जाएगा! अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि बिना किसी कारण के यूक्रेन के शहरों में मिसाइल और ड्रोन दागे जा रहे हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वह पूरा यूक्रेन चाहते हैं, उसका सिर्फ़ एक टुकड़ा नहीं, और हो सकता है कि यह सही साबित हो रहा हो, लेकिन अगर वह ऐसा करते हैं, तो इससे रूस का पतन हो जाएगा।

ट्रंप ने ज़ेलेंस्की की आलोचना की

ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की पर भी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह जिस तरह से बोलते हैं, उससे यूक्रेन को कोई फायदा नहीं हो रहा है। इसके अलावा, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बिडेन पर भी कटाक्ष किया। ट्रंप ने लिखा कि राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की जिस तरह से बोलते हैं, उससे वह अपने देश को कोई फायदा नहीं पहुंचा रहे हैं। उनके (ज़ेलेंस्की के) मुंह से निकलने वाली हर बात समस्या पैदा करती है, मुझे यह पसंद नहीं है और बेहतर होगा कि इसे रोक दिया जाए। यह एक ऐसा युद्ध है जो अगर मैं राष्ट्रपति होता तो कभी शुरू नहीं होता। यह ज़ेलेंस्की, पुतिन और बिडेन का युद्ध है, ट्रंपश का नहीं, मैं केवल बड़ी और शुरुआती आग को बुझाने में मदद कर रहा हूं।

गाजा में आश्रय स्थल बनाए गए स्कूल पर इजराइली हमले में 25 लोगों की मौत : चिकित्सक

गाजा पट्टी में आश्रय स्थल बनाए गए एक स्कूल पर इजराइली हमले में कम से कम 25 लोग मारे गए हैं जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। यह जानकारी क्षेत्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय की आपातकालीन सेवा के प्रमुख फहमी अवाद ने बताया कि उत्तरी गाजा में स्कूल पर हुए हमले में 55 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि जब लोग सो रहे थे, तब स्कूल पर तीन बार हमला किया गया जिससे उनके सामान में आग लग गई। ऑनलाइन उपलब्ध फुटेज में बचावकर्मियों को जले हुए शवों को निकालते और आग बुझाने के लिए संघर्ष करते देखा जा सकता है। इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

इधर कैदियों की अदला-बदली, उधर रूस ने दनादन दाग दिए मिसाइल

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध विराम की कोशिशें भले ही नाकाम साबित हो रही हों, लेकिन दोनों देशों ने एक बार फिर कैदियों की अदला–बदली की। और इस बार यह अब तक की सबसे बड़ी अदला–बदली रही। युद्ध के तीसरे साल में प्रवेश कर चुके इस संघर्ष में यह एक दुर्लभ सहयोग का पल था, जब एक ओर युद्ध जारी था, वहीं दूसरी ओर 614 सैनिकों को घर लौटने का मौका मिला। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों ने 307–307 सैनिकों की अदला–बदली की। इससे पहले 390 लोगों की रिहाई हुई थी। वहीं यूक्रेन ने दावा किया कि अदला–बदली से कुछ घंटे पहले रूस ने कीव पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें 15 लोग घायल हो गए।

यूक्रेन ने कहा– रूस ने दागीं 15 मिसाइलें

कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि यह राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा समन्वित हमला था, जिसमें रूस ने 14 बैलिस्टिक मिसाइलें और 250 ड्रोन दागे। यूक्रेनी वायुसेना ने इनमें से 6 मिसाइलें और 245 ड्रोन को मार गिराया। कीव में एक आवासीय इमारत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। यूरी इग्नाट ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि रूस ने विभिन्न प्रकार की 69 मिसाइलों और 298 ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिसमें ईरान द्वारा डिजाइन किए गए शाहिद ड्रोन भी शामिल हैं। इग्नाट ने कहा कि यह 2022 में शुरू हुए युद्ध के बाद से यूक्रेन में अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला था। मॉस्को की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस की मिसाइलों और ड्रोन ने यूक्रेन के 30 से अधिक शहरों और गांवों को निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और कड़ा करने की मांग की। यह यूक्रेनी नेता की पुरानी मांग रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप की मॉस्को को दी गई चेतावनियों के बावजूद ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है जो रूस को रोक सके। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि रविवार को कीव, जितोमिर, खमेलनित्स्की, तर्नोपिल, चेर्निहीव, सुमी, ओदेसा, पोल्तावा, ड्नीप्रो, मिकोला, खारकीव और चेरकासी क्षेत्र में हमले किए गए। जेलेंस्की ने कहा, ''ये हमले शहरों पर जानबूझकर किए गए हमले थे। आवासीय इमारतों को नष्ट कर दिया गया और उन्हें नुकसान पहुंचाया गया।'' कैदियों की अदला–बदली इस महीने की शुरुआत में इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता का एकमात्र ठोस परिणाम था। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में 110 यूक्रेनी ड्रोन गिरा दिए।

जहाज लॉन्च में बड़ी चूक! भड़क उठे तानाशाह किम जोंग

उत्तर कोरिया ने चार अधिकारियों को हिरासत में लिया है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वे उसके दूसरे नौसैनिक विध्वंसक के असफल प्रक्षेपण के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके बारे में बाहरी पर्यवेक्षकों का कहना है कि देश ने जो बताया है, उससे कहीं अधिक क्षति इसमें हुई है। नेता किम जोंग उन द्वारा बुधवार की घटना पर रोष व्यक्त करने के बाद हिरासत में लिए गए लोगों ने कहा कि यह आपराधिक लापरवाही के कारण हुआ था। मुख्य सैन्य समिति ने शुक्रवार को कहा कि जिम्मेदार लोगों को उनके अक्षम्य आपराधिक कृत्य के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि 5,000 टन वर्ग के विध्वंसक जहाज को हुए नुकसान की गंभीरता गंभीर नहीं है, क्योंकि इसने पहले के आकलन को रद्द कर दिया कि पतवार के निचले हिस्से में छेद हो गए थे। केसीएनए ने कहा कि जहाज़ के स्टारबोर्ड की तरफ़ पतवार खरोंच गई थी और कुछ समुद्री पानी जहाज़ के पिछले हिस्से में बह गया था। उसने कहा कि समुद्री पानी को बाहर निकालने, जहाज़ को सीधा करने और खरोंचों को ठीक करने में 10 दिन लगेंगे। केसीएनए ने कहा कि जहाज़ के संतुलन को बहाल करने का काम तय समय के अनुसार किया जा रहा है। उत्तर कोरिया की अत्यंत गोपनीय प्रकृति के कारण इस आकलन की पुष्टि करना लगभग असंभव है। सैन्य–संबंधी असफलताओं, नीतिगत विफलताओं और अन्य दुर्घटनाओं को छिपाने या हेरफेर करने का इसका इतिहास रहा है, हालांकि हाल के वर्षों में इसने समय–समय पर कुछ स्वीकार भी किया है। दक्षिण कोरिया में कोरिया डिफेंस नेटवर्क के विशेषज्ञ ली इल्वो ने कहा कि उत्तर कोरियाई युद्धपोत के इंजन कक्ष में पानी भर गया है और स्टारबोर्ड की तरफ छेद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया जहाज को सीधा खड़ा कर सकता है, उस पर पेंट कर सकता है और दावा कर सकता है कि जहाज लॉन्च हो गया है, लेकिन मरम्मत में एक साल से अधिक समय लग सकता है क्योंकि इंजन को बदलने के लिए पतवार को काटना पड़ता है।

जहाज का प्रक्षेपण क्यों विफल हुआ

उत्तर कोरियाई विवरण के अनुसार, विध्वंसक जहाज तब क्षतिग्रस्त हो गया जब चोंगजिन के पूर्वोत्तर बंदरगाह पर एक प्रक्षेपण समारोह के दौरान जहाज के पिछले हिस्से पर एक परिवहन पालना अलग हो गया। मून क्यून–सिक, जो सियोल के हानयांग विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं, ने कहा कि उत्तर कोरियाई कर्मचारी संभवतः 5,000 टन वजनी युद्धपोत को लॉन्च करने से परिचित नहीं हैं, जो इसके मौजूदा मुख्य नौसेना जहाजों से कई गुना भारी है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने विध्वंसक जहाज को बग़ल में लॉन्च करने की कोशिश की, एक ऐसा तरीका जिसका इस्तेमाल उसने युद्धपोतों के लिए कभी नहीं किया है, हालाँकि उसने पहले बड़े मालवाहक और यात्री जहाजों के साथ इसका इस्तेमाल किया है।

पोप लियो 14वें ने खुद को रोमन घोषित किया

पोप लियो 14वें ने रोम के बिशप के रूप में अंतिम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रविवार को खुद को रोमन घोषित किया। पहले अमेरिकी पोप ने रोम के गिरजाघर 'सेंट जॉन लेटरन बेसिलिका' में औपचारिक रूप से गद्दी संभाली और रोमन पादरियों एवं अनुयायियों की मौजूदगी में शाम को सामूहिक प्रार्थना सभा

आयोजित की। इसके बाद वह 'पोपमोबाइल' (पोप के लिए विशेष रूप से तैयार वाहन) से 'सेंट मैरी मेजर' गए, जहां उन्होंने पोप फ्रांसिस की कब्र और वर्जिन मैरी की तस्वीर के सामने प्रार्थना की। अपने उपदेश में लियो ने कहा कि वह ''सीखने, समझने और साथ मिलकर निर्णय लेने के लिए'' उन्हें खुद के करीब महसूस करना चाहते थे। लियो ने आठ मई को पोप चुने जाने पर कई उपाधियां ग्रहण कीं जिनमें से एक रोम बिशप है। सेंट जॉन लेटरन में रविवार को आयोजित समारोह और सेंट मैरी मेजर बेसिलिका की यात्रा पिछले सप्ताह लियो की सेंट पॉल आउटसाइड द वॉल्स बेसिलिका की यात्रा के बाद हुई। लियो का स्वागत सबसे पहले रोम के मेयर रॉबर्टो गुआल्टिएरी ने सिटी हॉल की सीढ़ियों पर किया। लियो ने कहा, ''विशेष उपाधि मिलने पर आज मैं कह सकता हूं कि मैं रोमन हूं।

दक्षिणी फ्रांस में लगातार दूसरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित, आगजनी की आशंका

दक्षिण–पूर्वी फ्रांस में रविवार को लगातार दूसरी बार बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। इस बार नीस शहर की बिजली गुल हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिजली अवसंरचना में संदिग्ध तौर पर आगजनी होने के बाद यह समस्या आई है। पुलिस फिलहाल नीस के कुछ हिस्सों के साथ–साथ निकटवर्ती शहरों कैग्नेस–सुर–मेर और सेंट–लॉरेंट–डु–वार में हुई बिजली कटौती और शनिवार को कान शहर में हुई बिजली कटौती के बीच संबंध स्थापित नहीं कर पाई है, जिससे वहां के प्रसिद्ध फिल्म महोत्सव के अंतिम दिन व्यवधान उत्पन्न हुआ था। नीस में बिजली आपूर्ति स्थानीय समयानुसार शनिवार–रविवार की दरमियानी रात लगभग दो बजे के आसपास बाधित हुई और लगभग 45,000 घर अंधेरे में डूब गए। शहर की ट्राम सेवा बाधित हो गई और नीस कोट डी जूर हवाई अड्डे की बिजली कुछ समय के लिए कट गई। बिजली वितरण कंपनी 'एनेडिस' के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रविवारसुबह 5रू30 बजे बिजली पूरी तरह बहाल कर दी गई। आल्प्स मैरीटाइम विभाग में शनिवार को भी दो अन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचाया गया था, जिसके बारे में अधिकारियों को संदेह है कि वहां भी आगजनी की गईथी, जिससे कान फिल्म महोत्सव के कार्यक्रमों सहित 160,000 घरों की बिजली गुल हो गई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

कनाडा को 51वां राज्य बनाने की धमकी के बीच ओटावा दौरे पर किंग चार्ल्स

देना चाहते हैं अमेरिका को क्या संदेश?

किंग चार्ल्स तृतीय सोमवार को कनाडा की संसद का उद्घाटन करने के लिए ऐतिहासिक यात्रा पर ओटावा पहुंचेंगे। इस संक्षिप्त यात्रा को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कनाडा पर कब्ज़ा करने की धमकियों के खिलाफ प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा

रहा है। 76 वर्षीय सम्राट राष्ट्रमंडल के भाग के रूप में कनाडा के राष्ट्राध्यक्ष भी हैं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सिंहासन भाषण देने के लिए आमंत्रित किया था, जो सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करने वाला भाषण था। यह भाषण आमतौर पर कनाडा में ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि, गवर्नर जनरल द्वारा दिया जाता है। किंग चार्ल्स तृतीय की दिवंगत मां, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने लंबे शासनकाल के दौरान कनाडा में केवल दो बार, 1957 और 1977 में सिंहासन भाषण दिया। चार्ल्स अपने राज्याभिषेक के बाद पहली बार कनाडा के दौरे पर हैं। ट्रम्प द्वारा कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की बार–बार की जाने वाली बात पर कभी किंग चार्ल्स की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई। लेकिन कनाडा की संप्रभुता और व्यापार पर किसी भी टिप्पणी के लिए उन पर कड़ी नज़र रखी जाएगी। ट्रंप ने कनाडा के सामानों पर टैरिफ़ लगाया है, जिसमें ऑटो, स्टील और एल्युमीनियम पर क्षेत्र–विशिष्ट शुल्क शामिल हैं, जिससे कनाडा की अर्थव्यवस्था को झटका लगा है। हालाँकि उन्होंने कुछ को बातचीत तक के लिए निलंबित कर दिया है। कार्नी ने कहा है कि उनकी नव–निर्वाचित सरकार को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंध को परिभाषित करने का जनादेश दिया गया है, एक पड़ोसी जिसके बारे में उनका मानना घ्है कि कनाडा अब उस पर भरोसा नहीं कर सकता है। उन्होंने आंतरिक वाणिज्य को बढ़ावा देकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार पर निर्भरता को कम करने तथा विदेशों में सहयोगियों के साथ गहरे आर्थिक संबंध बनाने का वादा किया है।

भारत के शुक्ला समेत एक्सिओम-4 अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष यात्रा से पहले 'क्वारंटीन' किया गया

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम–4 मिशन का हिस्सा रहे तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को पृथकवास (क्वारंटीन) में भेज दिया गया है। अमेरिका स्थित निजी अंतरिक्ष कंपनी ने रविवार को यह घोषणा की। एक्सिओम–4 मिशन एक्सिओम स्पेस, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एक संयुक्त प्रयास है और इसे फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से ड्रैगन अंतरिक्ष यान के माध्यम से आठ जून को भारतीय समयानुसार शाम 6रू41 बजे प्रक्षेपित किया जाएगा। एक्सिओम–4 मिशन पहला मिशन है जिसके माध्यम से कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) जाएगा। 'एक्सिओम स्पेस' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''चालक दल पृथकवास पर जा रहा है। उनके जाने से पहले, एक्सिओम स्पेस के कर्मचारी जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। चालक दल को विदाई देना एक परंपरा है जो चालक दल के अपने मिशन पर जाने से पहले कर्मचारियों के समर्पण और अथक प्रयासों को सम्मान देता है।'' गगनयान के लिए नामित चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक शुक्ला, एक्स–4 के पायलट होंगे, जबकि पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक पैगी व्हिटसन वाणिज्यिक मिशन के कमांडर होंगे। शुक्ला ने इस मौके पर कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि यह मिशन सफल होगा।'' इसरो ने शुक्ला को इस मिशन का हिस्सा बनाने के लिए 550 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

बांग्लादेश में न डेंटिंग करें और न शादी, चीन के नागरिकों के लिए एडवाइजरी

बांग्लादेश में चीनी दूतावास ने एक सलाह जारी की, जिसमें अपने नागरिकों से अवैध सीमा–पार विवाह व्यवस्थाओं से दूर रहने और ऑनलाइन मैचमेकिंग योजनाओं से सावधान रहने का आग्रह किया गया।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।